सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 104 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 27 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दुर्ग निगम चुनाव में भाजपा ने कुर्मी पर खेला दांव, कांग्रेस पार्टी को साहू समाज से आस

भाजपा व कांग्रेस ने 10 निगमों में की महापौर प्रत्याशियों की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम दुर्ग में प्रत्याशी चयन के मामले में भारतीय जनता पार्टी काफी आगे निकल गई है। रविवार को भाजपा ने प्रदेश के 10 निगमों में पहले महापौर प्रत्याशी तय किए और उसके बाद देर शाम पार्षदों की सूची भी जारी कर दी। वहीं कांग्रेस ने आधी रात के बाद महापौर तथा पालिकाओं व पंचायतों में अध्यक्ष प्रत्याशियों की घोषणा की। भाजपा ने रायपुर, बिलासपुर, कोरबा सहित सभी निगमों में पार्षद प्रत्याशियों की भी घोषणा कर दी है। वहीं कांग्रेस ने अभी तक कहीं भी पार्षद प्रत्याशियों के नाम तय नहीं किए हैं।

बात करें नगर निगम दुर्ग की तो भाजपा ने जहां कुर्मी समाज से अलका वाघमार को महापौर का प्रत्याशी बनाया है। वहीं वहीं कांग्रेस ने रविवार आधीरात के बाद साहू समाज को साधने प्रेमलता साहू के नाम पर मुहर लगाई। इसके बाद भाजपा ने दुर्ग निगम के सभी 60 वार्डों में पार्षद प्रत्याशियों के नाम भी घोषित कर दिए। वहीं कांग्रेस की लिस्ट का इंतजार है। बता दें दुर्ग सहित प्रदेश के सभी निकायों में 11 फरवरी को मतदान होगा और 15 फरवरी को नतीजे आएंगे। नामांकन की अंतिम तिथि 28 जनवरी है। 31 जनवरी को नाम वरपसी होगी और इसी दिन चुनाव चिह्न का भी आबंटन किया जाएगा।

दुर्ग व रायपुर अन्य निगमों में भाजपा ने पार्षद प्रत्याशी भी किए घोषित

यह है दुर्ग निगम के 60 वार्ड के भाजपा प्रत्याशियों के नाम

वार्ड 1 से मनीष साहू, वार्ड 2 से गोविन्द देवांगन, वार्ड 3 से श्री नरेन्द्र कुमार बंजारे, वार्ड 4 लीना दिनेश देवांगन वार्ड 5 से ओमप्रकाश (अमित) पटेल, वार्ड 6 निलेश अग्रवाल, वार्ड 7 कविता विकास सेन, वार्ड 8 खालिद रिजयी (शेरू), वार्ड 9 ज्ञानेश्वर ताम्रकार, वार्ड 10 श्री चन्द्रशेखर चन्द्राकर, वार्ड 11 आशीष चन्द्राकर, वार्ड 12 कुणाल मेश्राम, वार्ड 13 अजित वैद्य, वार्ड 14 ललीता ठाकुर, वार्ड 15 युवराज कुंजाम, वार्ड 16 जगेश यादव, वार्ड 17 सुरूची उमरे, वार्ड 18 देवनारायण चन्द्राकर, वार्ड 19 रंजिता पाटिल, वार्ड 20 सावित्री देवी दमाहे, अनारक्षित महिला विद्यावती सिंह, वार्ड 22 कांशीराम कोसरे, वार्ड 23 मनोज सोनी, वार्ड 24 जयश्री देशमुख, वार्ड 25 श्रद्धा सोनी, वार्ड 26 चन्द्रगान गंधनानी, वार्ड 27 बलीराम यादव, वार्ड 28 ममता सेन, वार्ड 29 रोशनी साहू, वार्ड 30 श्याम शर्मा, वार्ड 31 हर्षिका संगय जैन, वार्ड 32 जितेन्द्र गहोविया, वार्ड 33 शशि द्वारिका सापू, वार्ड 34 कमल देवांगन, वार्ड 35 कुलेश्वर साहू, वार्ड 36 पूनम दीपक यादव, वार्ड 37, शिव नायक, वार्ड 38 रामचंद्र सेन, वार्ड 39 गुलाब वर्मा, वार्ड 40 सरिता चन्द्राकर, वार्ड 41 जंयती साहू, वार्ड 42 ताम्रध्वज यादव (मोनू), वार्ड 43 विवेक सिन्हा (पिन्द्र), वार्ड 44 मनीष कुमार कोठारी, वार्ड 45 संजय कुमार अग्रवाल, वार्ड 46, लीलाधर पाल, वार्ड 47 डॉ. देवनारायण तांडी, वार्ड 48 लोकेश्वरी ठाकुर, वार्ड 49, प्रिती चन्द्रभान चन्द्राकर, वार्ड 50 त्रिवेणी साहू, वार्ड 51 अनारक्षित जेम्स एन (साजन) जोसफ वार्ड 52 गुलशन गायत्री साहू, वार्ड 53, विनायक नातु, वार्ड 54, हिरोन्दी चंदानिया, वार्ड 55 डॉ भूपेन्द्र साहू (राजेश), वार्ड 56 कुमारी साहू, वार्ड 57 सरस निर्मलकर, वार्ड 58 रेशमा सोनकर, वार्ड 59 निलम सिंह परिहार और वार्ड 60 से श्वेता ओझा ताम्रकार को टिकट दिया गया है।

रायपुर में मीनल चौबे व दीप्ती दुबे में सीधा मुकाबला

इसी प्रकार भाजपा ने राजधानी रायपुर में ब्राह्मण समाज से मीनल चौबे को टिकट दिया तो वहीं कांग्रेस ने यहां भी परिवारवाद दिखाते हुए पूर्व महापौर सभापति रहे प्रमोद दुबे की पत्नी दीप्ती दुबे को मैदान में उतारा। प्रमोद दुबे हाल ही में रायपुर दक्षिण से विधानसभा चुनाव भी हारे हैं ऐसे में उनकी पत्नी को टिकट देने से कांग्रेस के बाकी दावेदारों में नाराजगी सामने आई है। माना जा रहा है कि दीप्ती प्रमोद दुबे को टिकट दिए जाने से कई दावेदार अपनी नाराजगी दिखा चुके हैं। जबकि भाजपा से मीनल चौबे को सर्वमान्य चेहरा माना जा रहा है। मीनल चौबे रायपुर निगम में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं।

सांसद विजय बघेल की रिश्तेदार है भाजपा कैंडीडेट

भाजपा प्रत्याशी 52 वर्षीय अल्का बाघमार कई सालों से भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता हैं और दुर्ग निगम में वार्ड 7 से निवर्तमान पार्षद भी हैं। वो महिला मोर्चा दुर्ग की महामंत्री भी रह चुकी हैं। वर्तमान में दुर्ग जिले से भाजपा की उपाध्यक्ष हैं। भाजपा उम्मीदवार अल्का बाघमार दुर्ग सांसद विजय बघेल की रिश्तेदार हैं। दुर्ग नगर निगम के लिए मेयर पद के लिए उम्मीदवार के रूप में वे सांसद बघेल की पसंद भी रहीं। इसके साथ ही उनकी साफ सुथरी छवि है जिसके कारण पार्टी ने उन पर विश्वास जताया। अलका से साथ यहां सांसद बघेल की साख भी दांव पर है।

कांग्रेस की साहू समाज को साधने की कोशिश

दुर्ग नगर निगम में कांग्रेस ने साहू समाज को साधने का प्रयास किया है। कांग्रेस ने साहू समाज से प्रेमलता पोषण साहू को महापौर का प्रत्याशी बनाया है। प्रेमलता बोरसी वार्ड से दो बार पार्षद बनी हैं। वे काफी समय से कांग्रेस की सक्रिय राजनीति में हैं। इसके पति भूषण साहू भी कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं और वो दुर्ग में पार्षद भी रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्रेमलता साहू का नाम पूर्व विधायक अरुण वोरा ने आगे बढ़ाया। दुर्ग में एक बड़ा तबका साहू समाज का है ऐसे में कांग्रेस ने साहू कार्ड खेलकर भाजपा को मुश्किल में डालने का प्रयास किया है।

भिलाई निगम उप-चुनाव के लिए भाजपा ने वार्ड 24 से प्रदीप सेन व वार्ड 35 से चंदन यादव को दिया टिकट

भिलाई। नगरीय निकाय चुनाव में दुर्ग निगम के साथ भिलाई, रिसाली व भिलाई चरोदा निगम के चार वार्डों में उपचुनाव होना है। भाजपा ने यहां भी अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने भिलाई निगम के वार्ड 24 हाउसिंग बोर्ड से प्रदीप कुमार सेन को अपना प्रत्याशी बनाया है। वार्ड 35 से भाजपा ने वहां के छाया पार्षद चंदन यादव को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा भिलाई तीन चरोदा नगर निगम के वार्ड 32 में पार्षद पद के लिए भाजपा ने शिवकुमारी यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि नगर निगम भिलाई वार्ड 24 हाउसिंग बोर्ड और 35 शारदा पारा ओबीसी के आरक्षित वार्ड हैं। वार्ड 24 से नीतेश यादव और इंजीनियर सलमान पार्षद निर्वाचित हुए थे। जाति प्रमाण पत्र के मामले में शिकायत की जांच के बाद संभागायुक्त ने उनके निर्वाचन को बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद अब इन दोनों वार्डों में उपचुनाव हो रहा है।

यह है अन्य 8 निगमों में महापौर प्रत्याशी

निगम	भाजपा प्रत्याशी	कांग्रेस प्रत्याशी
बिलासपुर	पूजा विधानी	प्रमोद नायक
राजनांदगांव	मधुसूदन यादव	निखिल द्विवेदी
जगदलपुर	संजय पांडे	मलकित सिंह गैदू
चिरमिरी	रामनरेश राय	डॉ. विनय जायसवाल
अंबिकापुर	मंजूषा भगत	अजय तिर्की
रायगढ़	जीव वर्धन चौहान	जानकी काटजू
कोरबा	संजूदेवी राजपूत	उषा तिवारी
धमतरी	जगदीश रामू रोहरा	विजय गोलछा

खास-खबर

उत्तराखंड ने रचा इतिहासः लागू हुआ यूसीसी, सीएम ने किया पोर्टल और नियमावली का लोकार्पण

देहरादून ए। उत्तराखंड में ढाई साल की तैयारियों के बाद आज इतिहास रच दिया। आज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में यूसीसी के पोर्टल और नियमावली का लोकार्पण किया। वहीं, इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया।

समान नागरिक संहिता के लिए 27 मई 2022 को विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट दो फरवरी 2024 को सरकार को सौंपी थी। इसके बाद आठ मार्च 2024 को विधानसभा में विधेयक पारित किया गया। विधानसभा से पास होने के बाद इस इसे राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए भेजा गया। यहां से 12 मार्च 2024 को इस अधिनियम पर राष्ट्रपति का अनुमोदन मिल गया। इसके बाद यूसीसी के क्रियान्वयन के लिए तकनीक आधारित व्यवस्थाएं लागू की गईं। नागरिकों और अधिकारियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किए गए। बीती 20 जनवरी को यूसीसी की नियमावली को अंतिम रूप देकर कैबिनेट ने इसे पास कर दिया।

रायपुर में महिला समेत 6 लोग हेरोइन के साथ गिरफ्तारः 18 लाख का माल पंजाब से हुआ था सप्लाई

रायपुर। रायपुर में हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक महिला समेत 6 लोग गिरफ्तार हुए है। पुलिस को खुफिया सूचना मिली कि पंजाब से बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ की रायपुर सप्लाई हुई है। जिसके बाद पुलिस ने शहर के अलग-अलग ठिकानों पर रेड मारी। इस मामले में आमानाका और गुढ़ियारी पुलिस ने एक्शन लिया है।

रायपुर पुलिस को सुचना मिली कि पंजाब से अंतर्राज्यीय गिरोह हेरोईन/चिटटा बिक्री करने के लिये रायपुर ला रहा है और हेराईन को अलग-अलग जगहों पर बांटने वाला है। पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पतासाजी करने और पकड़ने के लिए एक विशेष टीम बनाया गया है। पुलिस ने शहर के अलग-अलग स्थानो में रेड मारकर 6 आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिनमें 2 महिलाएं शामिल है। इन आरोपियों में 5 पंजाब के निवासी है। उनसे कुल 201.31 ग्राम हेरोईन (चिटटा) कीमत 18 लाख 20 हजार रुपए जब्त किया गया है।

जशपुर में दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जशपुर। बगीचा थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार किया है। इस मामले में 24 जनवरी 25 को थाना बगीचा क्षेत्रांतर्गत एक गांव की पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका आरोपी टिकेश्वर यादव के साथ वर्ष 2018 से प्रेम संबंध था, उस दौरान प्रार्थिया नाबालिक थी, व स्कूल में पढ़ाई करती थी, उस दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देते हुए प्रार्थिया का दैहिक शोषण किया, प्रार्थिया द्वारा शादी करने के लिए बोलने पर आरोपी द्वारा बालिग होने पर शादी करने की बात कही गई। इस संबंध में दोनो के परिजनों की सहमति थी। इसके लगभग दो वर्ष पश्चात आरोपी टिकेश्वर यादव, प्रार्थिया को मुंबई ले गया, और बोला की हम दोनो कमाएंगे व गांव वापस आकर घर बनाएंगे। मुंबई से वापस आने पर आरोपी द्वारा प्रार्थिया से शादी करने से इंकार कर दिया गया है, इस दौरान प्रार्थिया गर्भवती हो गई।

दंतेवाड़ा के पूर्व विधायक की बेटी ने की आत्महत्या, देहरादून में रहकर कर रही थी पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले से विधायक रहे स्व. भीमा मंडावी की बेटी दीपा मंडावी ने उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आत्महत्या कर ली। दीपा मंडावी देहरादून में रहकर फिजियोथेरेपी की पढ़ाई कर रही थी। रविवार को उसने अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन देहरादून रवाना हो गए हैं।

दीपा मंडावी कुछ दिन पहले ही दंतेवाड़ा अपने घर आई थी। देहरादून में वो अपनी सहेलियों के साथ रूम लेकर रह रही थी। लेकिन सप्ताहभर पहले ही वो पीजी में शिफ्ट हो गई थी। अभी उसका परिवार देहरादून के लिए रवाना हो गया है। फिलहाल देहरादून पुलिस ने इस घटना की जांच में जुट गई है। घटना की सूचना मिलते ही दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, पूर्व विधायक देवती कर्मा, जिला पंचायत सदस्य तूलिका कर्मा समेत कांग्रेस के अन्य नेता भीमा के घर पहुंचे हुए हैं।

9 अप्रैल 2019 को नक्सलियों ने की थी पिता की हत्या

बता दें कि, भाजपा विधायक भीमा मंडावी की लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान से ठीक दो दिन पहले 9 अप्रैल 2019 को नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। कुआकोंडा इलाके के श्यामागिरी में आईईडी विस्फोट किया था। इस हमले में भाजपा विधायक और उनके ड्राइवर की जान चली गई थी। 3 पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए थे। इस मामले की एनआईए जांच भी हुई।

भीमा मंडावी की दो पत्नियों से हैं 5 बच्चे, दो ने किया सुसाइड

भीमा मंडावी की दो पत्नियां हैं। जिनके कुल 5 बच्चे हैं। भीमा मंडावी की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। उनके 4 बच्चे हैं, जिसमें एक बेटा और 3 बेटियां। भीमा के रहते हुए 2013 में सबसे बड़ी बेटी ने रायपुर में सुसाइड किया था। वहीं अब दूसरे नंबर की बेटी दीपा ने सुसाइड कर लिया है। दीपा से छोटा

एक भाई और एक बहन है। वहीं भीमा की दूसरी पत्नी ओजस्वी मंडावी से उनकी एक बेटी है।

सवाल यह नहीं कि कितने धर्म परिवर्तन हुए

श्रीकंचनपथ

पंजाब में बड़ी संख्या में धर्म परिवर्तन हो रहा है। पिछले कुछ सालों में इसमें अभूतपूर्व तेजी आई है। सिख रिसर्चर डॉ रणबीर सिंह का दावा है कि पंजाब की आबादी में ईसाइयों की संख्या में 15 फीसद का उछाल आया है। गुरुदासपुर में इनकी संख्या दोगुने से भी ज्यादा हो गयी है। रिसर्च के मुताबिक दलित सिख, हिन्दू और मुसलमान सभी को चर्च में लाया जा रहा है। चर्चों की संख्या भी बढ़ी है। कहा गया है कि इन्हें पाकिस्तान और अमेरिका जैसे देशों से धर्मांतरण के लिए फंड्स मिल रहे हैं। कहा जाता है कि ईसाई मिशनरियां लोगों को चमत्कारिक इलाज, गरीबी से मुक्ति, मुफ्त शिक्षा और रोजगार जैसे प्रलोभन देकर उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के लिए कह रही हैं। यह भी कहा गया है कि धर्म परिवर्तन के बाद सिख स्त्री और पुरुष नाम के आगे कौर और सिंघ लिखना बंद नहीं करते बल्कि इसके पीछे मसीह शब्द जोड़ लेते हैं। इसके कारण धर्म परिवर्तित लोगों की सही स्थिति का आंकलन करना मुश्किल है। धर्म आधारित जनगणना के बाद ही सही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पर यह मूल सवाल है ही नहीं कि कितने लोगों का धर्म परिवर्तन किया गया। मूल सवाल यह है कि आखिर लोग धर्म परिवर्तन क्यों कर रहे हैं? रही बात चमत्कारिक इलाज की तो सभी धर्मों में इसका जिक्र मिलता है। गरीबी दूर करने के लिए सरकार आजादी के बाद से ही प्रयास कर रही है। मुफ्त इलाज, शिक्षा और रोजगार का दावा भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की सरकारें करती हैं। यह तो प्रतिद्वंद्विता वाली स्थिति है। तो फिर यह एकतरफा प्रलोभन कैसे हुआ? दरअसल, इसका जवाब भी स्वयं प्रश्न में ही छिपा हुआ है। डॉ रणबीर ने कहा है कि दलित सिखों को टारगेट किया जा रहा है। 21वीं सदी में, भारतीय गणतंत्र के साढ़े सात दशक बाद भी दलित शब्द अब तक जीवित क्यों है? अपने ही घर में प्रताड़ित बच्चा यदि विद्रोह कर दे तो क्या उसे दोष देना उचित होगा? साधारण जनभावना बच्चे के साथ ही होगी। अमेरिका में तो पालकों पर अपराध भी दर्ज हो जाएगा। क्या कभी किसी ने सोचा है कि शहरों को बड़ा करने, सड़कों को चौड़ा करने जब-जब शासन कार्रवाई करता है तो सबसे बड़ी मार गरीबों और वंचितों पर पड़ती है? इस समाज के साथ भी सदियों से ऐसा ही होता आया है। जो लोग अखबार पढ़ते हैं वो जानते हैं कि आज भी देश के विभिन्न राज्यों से इस तरह की खबरें सामने आती रहती हैं जब केवल छोटी या नीची जाति का होने के कारण किसी परिवार को प्रताड़ित किया गया। ऊंची जात वाले ऐसे लोगों को भोग तो सकते हैं पर अपना नहीं सकते। इन लोगों को थोड़ा सा सम्मान देने के लिए अनेक पंथों और सम्प्रदायों का जन्म इसी देश में हुआ पर बात बनी नहीं। अब इसका फायदा ईसाई मिशनरियां उठा रही हैं।

संपादकीय

कोई अपना जेल चले जाए तो मिलने जाना पड़ता है

कोई जेल चले जाए और उसके साथ के बहुत सारे लोग जेल से बाहर रहें तो जेल जाने वाले को बुरा तो लगता है कि देखो मैं तो जेल भेज दिया गया हूं और तुम लोग बाहर हो। मैं जेल की चहारदीवारी में कैंद हूं और तुम लोग आजाद हो। तो जेल से बाहर जो रहते हैं,वह भी जानते हैं कि जो जेल भेज दिया गया है,उसको बुरा तो लग रहा होगा कि उसके साथ के लोग जेल के बाहर है, आजाद हैं। इसलिए जो जेल से बाहर होते हैं,उनको जेल भेज दिए जाने वाले नेता से मिलने के लिए जेल जाना ही पड़ता है। जेल जाकर आश्वस्त करना पड़ता है कि हम पहले भी तुम्हारे साथ थे और आज तुम जेल भेज दिए गए हो तो भी हम तुम्हारे साथ हैं। हम तुम्हें जेल में नहीं रहने देंगे, हम तुमको जेल से बाहर लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हम तो तुमको जेल भेज जाने के साथ ही प्रयास कर रहे हैं कि कैसे जल्द से जल्द तुमको जेल से बाहर लाएं।

कवासी लखमा व देवेंद्र यादव ने पांच साल उनका साथ दिया। नेता ने जो करने को कहा, दोनों ने किया। नेता के लिए भी किया और पार्टी के लिए भी किया, दोनों ने सरकार का विरोध किया, सरकार का विरोध करना कोई गलत बात तो हैं नहीं, दोनों मानते हैं कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है।

भूपेश बघेल ने भी तो कहा है कि दोनों ने कुछ गलत नहीं किया है। सरकार विरोधियों को चुप कराने के लिए जेल भेज रही है। लेकिन हम लोग डरने वाले नहीं है, आखिर में सत्य की जीत होगी यानी एक दिन देवेंद्र यादव व कवासी लखमा जेल से बाहर आएंगे। अगली बार फिर हमारी सरकार होगी, यानी देवेंद्र यादव व कवासी लखमा को भूपेश बघेल आश्वस्त कर रहे हैं कि डरना बिलकुल नहीं है। तुम लोगों को डराने की बहुत कोशिश होगी, तुमको डरना नहीं है, चुप रहना है, कुछ नहीं कहना है। आदमी से सरकारी एजेंसी पूछताछ करती है तो आदमी को टेशंन हो जाता है, अब गिरफ्तारी भी होगी। गिरफ्तारी हो जाती है तो आदमी मनाता है कि उसे जेल न भेजा जाए, जेल भेज दिया जाता है तो आदमी जेल से बाहर आने के लिए बेचैन रहता है, वह चाहता है उसके साथ लोग उसे जेल से बाहर निकालें।

> *यह सुनकर जेल जाने वाले को भी अच्छा लगता है कि चलो मेरे जेल से जाने के मेरे साथ के लोग परेशान तो है, मुझे जेल से बाहर लाने का प्रयास तो कर रहे हैं। वह कह तो रहे हैं कि जनहित व सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को जेल भेजा जा रहा है, अंत में सत्य की विजय होगी। हमारी पार्टी की सरकार फिर सत्ता में आएगी। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी जेल जाकर पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा व देवेंद्र यादव से मिले हैं। वह अपने लोगों की फिक्र करने वाले नेता हैं। उनके अपने लोग जेल में रहे या जेल से बाहर रहें वह उनका पूरा ख्याल रखते जब सत्ता में थे तो तब भी रखते थे, आज सत्ता में नहीं हैं तो भी रखते हैं। वह तो नेता हैं, उनको तो रखना ही पड़ता है। वह लोगों का साथ देते हैं तो लोग भी उनका साथ देते हैं।*

साथ के लोग जेल से बाहर नहीं निकाल पाते हैं तो और बुरा लगता है कि ये लोग कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसे में उससे मिलकर बताना पड़ता है कि हम तुम्हारे लिए क्या कर रहे हैं। देवेंद्र यादव को कांग्रेस नेता अब तक जेल से बाहर नहीं ला सकें, यानी उनकी जमानत नहीं हो रही है, उनको जेल में इतने दिन रहना पड़ा है तो यह देखकर कवाली लखमा को टेंशन होना स्वाभाविक है। वह राज्य के पूर्व आबकारी मंत्री रहे हैं, राज्य में दो हजार करोड़ का शराब घोटाला हुआ है। ईडी बता रही है कि किस किस अधिकारी ने बताया है कि कवासी लखमा को पैसा दिया जाता था। यानी ईडी कवासी लखमा को डरा रही है कि अधिकारी तुम्हारे खिलाफ बोल रहे हैं। कवासी लखमा अब तक नहीं डरे हैं, और उनको जो कहना है वह तो कई बार कह चुके है।

अब भूपेश बघेल उनके जेल से मिलकर आ गए हैं तो आने वाले दिनों में जब भी उनसे कोई भी पूछे वही कहेंगे जो वह अब तक कहते आए हैं। मैं तो अनपढ़ हूं, मुझे अधिकारियों ने जहां पर दस्तखत करने को कहा मैंने कर दिया। मैं आदिवासियों के लिए लड़ता रहा हूं, मैं आदिवासियों के लिए लड़ता रहूंगा, मुझे जेल भेजकर सरकार आदिवासियों की आवाज बंद करना चाहती है। मैं आदिवासियों के लिए आवाज उठाता रहूंगा।

आज का सु-विचार

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

ललित गर्ग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फंसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण-सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल रही है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

(ये लेखक के विचार हैं)

जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में अमेरिकन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को उद्धृत करते हुए कहा जाता है कि 'जनतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता का शासन है।' सिद्धान्ततः यह कथन आंशिक रुप से सत्य भी है क्योंकि इसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि जनता के लिए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित करते हैं। इस दृष्टि से समस्त शासन व्यवस्थाओं में यह व्यवस्था सर्वोत्तम भी है और इसीलिए स्वतंत्रता प्राप्ति के समय हमने इस व्यवस्था को चुना, किन्तु आज हमारे लोकतन्त्र में बढ़ती अविवेकपूर्ण एवं अनुत्तरदायित्व भरी कार्यशैली, जनमन में बढ़ता असंतोष जनित आक्रोश और यत्र-तत्र घटित अराजकतायुक्त दुर्घटनाएं विश्व के इस विशालतम लोकतन्त्र के समक्ष अनेक यक्षप्रश्न उपस्थित कर रही हैं। भारतीय गणतंत्र की इस 76 वें वर्षगाँठ पर इस संदर्भ में गंभीर और विस्तृत विमर्श अपेक्षित है।

सैद्धान्तिक रुप से जनतन्त्र में व्याख्यायित 'जनता' एक इकाई है। जनतन्त्र की उपर्युक्त लिंकन कृत परिभाषा से ध्वनित होता है कि एक इकाई के रुप में संगठित जनता सम्पूर्ण समाज में से सर्वसम्मति से सुयोग्य नेतृत्व का चयन कर जनकल्याण का पथ प्रशस्त करती है, किन्तु व्यावहारिक रुप से जनतन्त्र में प्रयुक्त जनता एक इकाई नहीं होती। वह अनेक विचारधाराओं, दलों और धर्म-क्षेत्र- जाति-भाषा- व्यवसाय आदि की संकीर्णताओं में बँधे छोटे-छोटे समूहों का समुच्चय होती है, जो मनुष्यता और राष्ट्रीयता की उदार एवं समावेशी हितग्राहिता को हाशिए पर डालकर सत्ता हथियाने की दलीय प्रतिबद्धता के प्रति दुराग्रह प्रकट करती है।

निजी निहित स्वार्थों के लिए सचेष्ट ये संकीर्ण समूह परस्पर कीचड़ उछालते हुए सत्ता के गलियारों में आधिपत्य के लिए निरन्तर संघर्ष करते हैं। इसलिए जनतंत्र में शासन 'जनता द्वारा जनता के लिए' न रहकर 'दल द्वारा दल के लिए' हो जाता है और इसी कारण जनता में असन्तोष और आक्रोश जन्म लेता है। जनतंत्र की उदार दृष्टि दलीय महत्त्वाकांक्षाओं की दलदल में धँसकर जनकल्याण से दूर चली जाती है। सत्ताधारी दल जनकल्याण के नाम पर प्रचारित योजनाओं के माध्यम से अपनी भावी चुनावी विजय की रूपरेखा रचता है; वोट-बैंक तैयार करता है और राष्ट्रीय-हितों के नाम पर दलीय-हितों के साधन में अपनी ऊर्जा नियोजित करता है। विपक्षीदल भी उचित-अनुचित का विचार किए बिना सत्ता हथियाने के लिए हर संभव कूट रचना रचते रहते हैं। भारतीय जनतंत्र की लगभग सात दशक लम्बी यात्रा इस बिडम्बना की साक्षी है। गत शताब्दी के आठवें दशक में घटित जनता पार्टी का उद्भव और पराभव इस तथ्य का ज्वलन्त प्रमाण है।

मनुष्य की प्रकृति सामन्तवादी है। वह शासन करना चाहता है। औरों को अपने अधीन अपने नियन्त्रण में रखना चाहता है। परिवार का मुखिया, संस्था का प्रमुख, संगठन का नेता- सब वर्चस्व चाहते हैं और इस वर्चस्व कामना में निहित 'राजस' भाव स्वयं के लिए एवं अपने जाति-वर्ग के लिए सुख-सुविधाएँ जुटाने का उद्यम करता है। राजतंत्र में राजा लोग अपने लिए, अपने राजपरिवार के लिए, अपने पक्ष के सामन्तों-सरदारों आदि के लिए सुख- सुविधाएं जुटाते थे और जनता के हितों की उपेक्षा करते थे, वर्तमान जनतंत्र में भी यही दुष्प्रवृत्ति दूर-दूर तक दिखाई देती है। भाई-भतीजावाद, वंशवाद, वोट बैंक सुदृढ़ करने की मानसिकता, जनता की गाढ़ी कमाई पर ऐश करने की ऐसी ही दुरभिलाषाओं के कारण आज हमारा जनतंत्र अपना वास्तविक अर्थ खोकर असंतोष और अराजकता की ओर अग्रसर हो रहा है।

संज्ञा बदल जाने से स्वभाव नहीं बदल जाता। इसी प्रकार सामन्ती मानसिकता भी जनतांत्रिक संज्ञा धारण करने से नहीं बदल सकती। अभावों और संकटों से जूझते ऋणग्रस्त देश के जनतांत्रिक ध्वजवाहक के वस्त्रों का पेरिस से धुलकर आना हमारी सामन्ती मानसिकता को मौन समर्थन देने की चूक थी। यदि अपने जनतांत्रिक नेतृत्व की इस सामन्ती प्रवृत्ति को हमने समय रहते समझ लिया होता तो हमारा जनतंत्र भ्रष्टाचार का शिकार न बनता। उसका स्वरूप अधिक लोकमंगलकारी होता। उसकी छवि अधिक उज्ज्वल होती। जनता सदा नेता का, प्रजा सदा राजा का अनुसरण करती है। रावण के राजा रहते राम से युद्धरत रहने वाले लंकावासी विभीषण के राजा बनते ही राम के शरणागत हो जाते हैं।

महात्मा गाँधी जब अपने दीवान परिवार की ऐश्वर्य और वैभवपूर्ण सुख-सुविधाओं को त्यागकर देश सेवा के लिए लंगोटी धारणकर आजादी की लड़ाई में उतरते हैं तो लाखों-करोड़ों भारतीय अपनी व्यक्तिगत सुविधाओं और पारिवारिक उत्तरदायित्वों की परवाह किए बिना उनके पीछे चलकर देशहित में हर संभव त्याग करते हैं किन्तु जब स्वतंत्र भारत का शीर्ष नेतृत्व विलासितापूर्ण जीवनशैली अपनाता है तो धीरे-धीरे हमारे नेता भी बड़ी संख्या में विलासी जीवन जीने के अभ्यस्त हो जाते हैं जिसकी परिणिति व्यापक भ्रष्टाचार के रूप में सामने आती है। सत्ता सेवा का नहीं व्यक्तिगत सुविधाएं संचित करने का साधन बनकर वोफोर्स, हवाला, चारा, व्यापम आदि असंख्य घोटालों का शिकार हो जाती है।

जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है। उसके सम्यक् संचालन के लिए अनुभवी, ईमानदार और ऐसे न्यायप्रिय निर्भीक नेतृत्व की आवश्यकता है जो समस्त संकीर्णताओं और दलीयस्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण समाज के लिए उचित निर्णय ले और जिसे सब स्वीकार करें, किन्तु विडम्बना यह है कि वर्तमान जनतांत्रिक व्यवस्था का आधार दलगत राजनीति है और दलगत राजनीति की कोख से जनमे नेतृत्व का सर्वस्वीकृत होना प्रायः असंभव है। तथापि अब यह नितान्त आवश्यक है कि हम वोट-बैंक और दलीय-स्वार्थों की ओछी कूटनीतियाँ छोड़कर 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की सच्ची राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों अन्यथा 'सर्वोदय', 'अन्त्योदय' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे नारे सार्थक न हो सकेंगे और भारतीय समाज में बढ़ती विषमताएं, विसंगतियाँ असंतोष और आक्रोश को उग्रकर लोकतन्त्र का मार्ग कंटकाकीर्ण कर देंगीं। समय रहते हमें और हमारे नेतृत्व को यह कटु यथार्थ समझ लेना चाहिए कि नेतृत्व की शुचिता पर ही जनतंत्र का निर्वाह संभव है।

(ये लेखक के विचार हैं)

खाकी वर्दी का गढ़ है दुर्ग जिले का आलबरस गांव

पंडित यशवर्धन पुरोहित

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से लगभग 36 किलोमीटर दूर स्थित छोटा सा गांव आलबरस, लेकुला और शिवनाथ नदी के मंगल तट पर बसा हुआ, आज अपने गौरवशाली इतिहास और समर्पण की वजह से पूरे देश में ख्याति प्राप्त कर चुका है। लगभग तीन हजार की जनसंख्या वाले इस गांव को विशेष रूप से 'खाकी वर्दी का गढ़' कहा जाता है।

यहां के जवानों ने देश और प्रदेश के हर कोने में सेवा देकर यह साबित किया है कि प्रतिभा और राष्ट्रभक्ति किसी बड़े शहर या संसाधन से नहीं, बल्कि पवित्र माटी की तालीम से उपजती है। आलबरस गांव से 46 जवान भारतीय सेना, पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों में देश की सेवा में लगे हुए हैं। इनमें से कई जवान नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बीजापुर, और सुकमा जैसे कठिन क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, तो कुछ लद्दाख, असम, नागालैंड और मणिपुर जैसे दुर्गम इलाकों में देश की सरहद की रक्षा कर रहे हैं।

46 जवानों का अद्वितीय योगदान

आलबरस के प्रत्येक परिवार के लिए खाकी वर्दी पहनने का एक सपना नहीं बल्कि एक परंपरा बन चुकी है। यहां से अब तक 46 जवान भारतीय सेना, पुलिस, और अन्य सुरक्षा बलों में सेवा दे रहे हैं। इनमें से कुछ जवान छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों जैसे दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा में तैनात हैं, जबकि अन्य जवान लद्दाख, असम, नागालैंड और मणिपुर जैसे दूर-दराज और कठिन क्षेत्रों में अपनी सेवा दे रहे हैं। यह जवान अपनी वीरता और कठिन परिश्रम से गांव का नाम रोशन कर रहे हैं। इनमें से प्रमुख नामों में भारतीय सेना के भुवन देशमुख, देवलाल ठाकुर, खेमनलाल, दामन नेताम, चंद्रप्रकाश देशमुख, योगेश देशमुख, थिपू देशमुख शामिल हैं, जो भारतीय सेना की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे रहे हैं। इसके अलावा, असम राइफल्स में उमेश यादव और सीआरपीएफमें तोमन नेताम जैसी महत्वपूर्ण नियुक्तियां हैं। आलबरस का हर एक युवक इस गांव के मान-सम्मान को बढ़ाने के लिए खाकी वर्दी में अपनी भूमिका निभा रहा है।

गांव की फौजी परंपरा: तालीम और प्रेरणा का केंद्र

इस गांव के जवानों की उपलब्धियां केवल सेना और पुलिस विभाग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनकी प्रेरणा ने गांव के अन्य युवाओं को भी अपनी माटी के प्रति समर्पण की भावना सिखाई है। एकलौते बच्चे से लेकर भाईयों की फौज तक, हर घर से देशसेवा का सपना देखा और पूरा किया जाता है। यहां के जवान न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देश के कोने-कोने में कठिनाईयों का सामना कर रहे हैं। यह आलबरस गांव की परंपरा और संस्कृति का नतीजा है कि यहां के युवा वर्दी पहनने को अपने जीवन का उद्देश्य मानते हैं।

गांव का गर्व और गौरव

आलबरस गांव के प्रत्येक व्यक्ति को अपने सपूतों पर गर्व है। जब भी इन जवानों का नाम लिया जाता है, तो यह गांव सम्मान और गर्व से भर उठता है। यहां के लोग न केवल अपने जवानों के योगदान को सराहते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी इसी राह पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि आलबरस गांव अपनी संस्कृति और परंपराओं के माध्यम से पूरे देश को यह संदेश देता है कि यदि माटी में समर्पण, प्रेरणा और मेहनत का बीज बोया जाए, तो कोई भी गांव या व्यक्ति देश का नाम ऊंचा कर सकता है।

गणतंत्र दिवस के इस खास अवसर पर आलबरस गांव के वीर सपूतों को शत-शत नमन।

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

भिलाई में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने फहराया तिरंगा, अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में गणतंत्र दिवस समारोह इस बार प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई में मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने तिरंगा झंडा फहराया। इस मौके पर उन्होंने उल्लास एवं उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े। परेड द्वारा हर्ष फायर एवं राष्ट्रपति की जय जयकार की गई। मुख्य अतिथि डॉ. सिंह ने कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी और एसपी जितेन्द्र शुक्ला के साथ परेड का निरीक्षण किया और आम नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा के नेतृत्व में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल (पुरूष), नगर सेना और जिला पुलिस बल (महिला), एनसीसी जुनियर एवं सीनियर रेडक्रॉस और स्काउट गाइड के 11 प्लाटून द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट करते हुए सलामी मंच के सामने से गुजरे। पत्पश्चात् मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह द्वारा प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया गया। इस मौके पर उन्होंने शहीद के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का वाचन किया।

हमने पेश किया उन्नत, विकसित प्रजातंत्र का अनुपम उदाहरण

इस मौके पर मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस का यह पावन पर्व हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम देश की आजादी के लिए हमारे स्वंतत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के संघर्ष एवं बलिदान को स्मरण कर उन्हें नमन करें। देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पावन प्रयास, समर्पण, साहस, त्याग से न केवल देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई, अपितु एक सफल गणतंत्र भी निर्माण हुआ। विगत सात दशकों से अधिक की हमारे भारतीय गणतंत्र की यात्रा में हमने उन्नत, विकसित प्रजातंत्र का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

विभिन्न स्कूलों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

समारोह में डीपीएस दुर्ग, शासकीय तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग, मैत्री विद्या निकेतन विद्यालय रिसाली, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुम्हारी और विज्ञान विकास केन्द्र दुर्ग के छात्राओं ने पारम्परिक एवं देश-भक्ति गीतों पर नयनाभिराम सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विभिन्न 16 विभागों ने झांकी के माध्यम से उपलब्धियां प्रदर्शित की। समारोह के अंत में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने करकमलों से पुरस्कार वितरण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम स्थान विज्ञान विकास केन्द्र, द्वितीय स्थान स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुम्हारी, तीसरा स्थान शासकीय तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग तथा डीपीएस जुनवानी एवं मैत्री विद्या निकेतन रिसाली को सांत्वना पुरस्कार मिला। परेड में सीमा सुरक्षा बल को प्रथम, जिला पुलिस बल (पुरूष) को द्वितीय और नगर सेना को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। झांकियों में जिला पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को प्रथम, समाज कल्याण विभाग को द्वितीय तथा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग और जले विभाग को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान का पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह के समापन पूर्व मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, विधायक गजेन्द्र यादव, आईजी आरजी गर्ग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला एवं अधिकारी एवं कर्मचारी और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित थे।

हमारा राष्ट्रीय संविधान राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक

डॉ रमन सिंह ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय संविधान राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। यह हमारे लिए केवल एक किताब नहीं है, बल्कि इसे हम जीवन की आचार संहिता मानते हैं। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह देश के नागरिकों को एकता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। विभिन्न जाति, धर्म और संस्कृतियां इस एकता के सूत्र में बंधी हुई है और यही राष्ट्रीय एकता हमारी पहचान है। देश के प्रत्येक नागरिकों के लिए दात्यिवों और अधिकारों के संरक्षण का भाव हमारे संविधान में निहित है। संविधान की अंतर्निहित भावना यही है कि सबका साथ और सबका विकास हो। संविधान की इसी भावना को दृष्टिगत रखते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने प्रयासों से राष्ट्र के समग्र विकास के संकल्प को मजबूती से स्थापित किया है। यह हम सबके लिए सुखद अनुभूति है कि हमारा भारत आज एक नई संभावनाओं के दौर से गुजर रहा है और हम अपने अतीत के विश्व गुरू के गौरव को पुनः हासिल करने की ओर अग्रसर है।

भारतवासियों के लिए आत्म विश्लेषण का दिन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस का पर्व हम भारतवासियों के लिए आत्म विश्लेषण का दिन है। देश के नागरिक होने के नाते हम यह विचार करें कि एक नागरिक के रूप में हम कितनी ईमानदारी और सत्यता से अपने राष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति कर रहे हैं। राष्ट्र की उन्नति में हमारा क्या योगदान है। देश को हमसे क्या अपेक्षाएं है और क्या हम उन अपेक्षाओं को पूर्ण करने हेतु सजग और समर्पित भाव से योगदान दे रहे हैं। उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर में ही देश प्रेम, राष्ट्रीय एकता, राष्ट्र की अखण्डता का भाव छुपा हुआ है। मेरा आपसे यह अनुरोध है कि इन सभी प्रश्नों को आप स्वयं से अवश्य पूछें। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए उपलब्धि का विषय है कि भारतीय लोकतंत्र को विश्व एक आदर्श के रूप में मानता है। विशेष रूप से विगत डेढ़ दशकों में भारत ने दुनिया के समक्ष अपने आपकों तीसरी बड़ी महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में सफलता हासिल की है।

नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में एक नए दौर की शुरुआत

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गणतंत्र दिवस के इस पावन अवसर पर यह अवगत कराते हुए मुझे अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि हम छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की भवना के अनुरूप पं. दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय विकास की अवधारण को पूर्ण करने में उत्तरोत्तर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि शांति, समृद्धि और स्वावलम्बन का भाव आम जनों की जीवन शैली में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। विशेष कर नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में एक नए दौर की शुरुआत हुई है। इस अवसर पर मैं राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और शांति को कायम रखने के लिए जिन बहादुर सुरक्षा सैनिकों ने अपने प्राणों की आहूति दी है उनके पावन बलिदान, वीरता और साहस को सादर नमन करता हूं, उन्हें अपनी सादर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। विधानसभा अध्यक्ष ने गणतंत्र दिवस के इस पुनीत अवसर पर लोगों को बधाई दी।

भारतीय संविधान एक महान संविधान है

डॉ. सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान एक महान संविधान है वह जीवन्त, सर्वशक्तिमान और सार्वभौम है। वह देश के समस्त नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण और दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रेरित करता है। वस्तुतः संविधान केवल प्रदर्शन का विषय नहीं है यह आत्म विश्लेषण का विषय है। मैं यह मानता हूं कि संविधान के विषय में जानकार होना, बोलना और लिखना इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण संविधान को स्वीकर कर उसका पालन करना होता है। इसलिए हमारी यह कोशिश होनी चाहिए कि हम अपने संविधान का सम्मान करें, उसका पालन करें। देश के नागरिक होने के नाते राष्ट्र के प्रति अपने राष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति हेतु सतत रूप से सजग और गंभीर बनें। अपने अधिकारों से कहीं ज्यादा हम अपने राष्ट्रीय कर्त्तव्यों को पूर्ण करने का संकल्प लें। मैं समझता हूं हमारी यह भावना ही देश की सच्ची सेवा होगी। और आव्हान किया कि आइए हम सब मिलकर अपने भारतीय संविधान की रक्षा का संकल्प लें, संविधान की भावना के अनुरूप देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करें।

सीमा सुरक्षा बल ने हर्षोल्लास से मनाया 76वां गणतंत्र दिवस, आईजी ने दी सभी जवानों को बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीमान्त मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल के जवानों एवं अधिकारियों ने बड़े ही हर्षोल्लास से 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया। सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ के महानिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तत्पश्चात वहां उपस्थित सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। महानिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह ने ने सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी की ओर से भिलाई, कांकेर एवं नारायणपुर में तैनात सीमा सुरक्षा बल के समस्त जवानों, अधिकारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बता दें सीमा सुरक्षा बल वर्ष 2009 से छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एवं वर्ष 2013 से नारायणपुर जिले में नक्सल के विरूद्ध अभियान में तैनात हैं। सीमा सुरक्षा बल की तैनाती से पहले क्षेत्र में नक्सलियों का आतंक और भय व्याप्त था, परन्तु बीएसएफ ने क्षेत्र में नक्सलियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करके जनमानस के मन में सुरक्षा की भावना एवं बल के प्रति सकारात्मक रवैया बनाने में सफलता हासिल की है।

सीमा सुरक्षा बल के जवान दुर्गम क्षेत्रों में बड़ी कठिन परिस्थितियों में अपनी कर्तव्यों का निर्वाहन कर रहे हैं और बड़ी निपुणता के साथ अपने कार्य को अंजाम दे रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल अपने जवानों के कठिन परिश्रम की बदौलत आज अपने इलाके के लोगों के बीच एक लोकप्रिय फोर्स बनकर उभरी है, जिसका श्रेय क्षेत्र में तैनात वीर जवानों को जाता है।

नक्सलियों पर नकेल कसने में हासिल की सफलता

सीमा सुरक्षा बल ने कांकेर और नारायणपुर जिलों में नक्सलियों पर नकेल कसने में सफलता हासिल की है जिसकी भरपूर प्रशंसा हो रही है। जहाँ सीमा सुरक्षा बल के जवान अपनी जान की बाजी लगाकर देश को नक्सल मुक्त बनाने में लगे है वहीं दूसरी ओर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं जिनमें कांकेर और नारायणपुर के दूरदराज फैले गांव में गरीबों एवं स्कूल बच्चों को जरूरत की चीजें मुहैया कराना, मुफ्त चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना, बेरोजगार युवाओं को स्किल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम के तहत रोजगार प्रशिक्षण देना, ट्राइबल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आदिवासी बच्चों को भारत भ्रमण में ले जाना जिससे वे अपने प्रदेश की संस्कृति को देश के समक्ष प्रस्तुत कर सकें।

तीन रंग और तीन भाग्य के रेखाओं को जीवन में धारण करो तो भारत विश्व गुरु बन जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आज सेक्टर 7 स्थित अंतर्दशा भवन के पीस ऑडिटोरियम प्रांगण में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। देश की शान तिरंगा ध्वज के नीचे ब्रह्मावतस की एकजुटता देखने लायक थी। वरिष्ठ राजयोगिनी प्राची दीदी ने भारत देश के राष्ट्रीय महापर्व 76वां वे गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए सभी को कहा कि तिरंगे ध्वज के नीचे हम सभी यह संकल्प करेंगे कि हमें भारत को पुन: स्वर्णिम बनाना है। सभी ब्रह्माकुमारी दीदियों ने मिलकर ध्वजारोहण किया। विशेष झारसुगुड़ा सेवाकेंद्र से पधारी ब्रह्माकुमारी अश्विनी बहन ने गर्वपूर्ण तरीके से कहा कि आज ही के दिन 1950 को लागू हुआ था हमारे भारत देश का संविधान। तब ही से लेकर यह हमरा 76वां वा वर्ष है जो हम सारे भारत वासी इकठ्ठे हो देश के इस राष्ट्रीय महापर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। आपने बताया जिस तरह संविधान का पालन करने से देश व्यवस्थित रूप से चलता है अनुसरण और राजयोग का अभ्यास अपने दैनिक जीवन में नियम प्रमाण समझ करेंगे।

इस्पात बिरादरी ने हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस, संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी में गणतंत्र दिवस समारोह 2025 हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। 26 जनवरी, 2025 को देश के 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहीद वीरनारायण सिंह, जयंती स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में, सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रगान के साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। निदेशक प्रभारी के साथ उपमहानिरीक्षक प्रतिभा अग्रवाल ने परेड की सलामी ली और इसका निरीक्षण किया। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, अग्निशमन सेवा, महिला कमाण्डो, एनसीसी, स्काउट-गाइड द्वारा मार्च पास्ट एवं अत्याधुनिक तकनीकों से लैस संयंत्र के अग्निशमन वाहनों का प्रदर्शन किया गया।

निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों पर गर्व व्यक्त करते हुए देश के महान शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान निर्माताओं, गणतंत्र व राजनीति के पूर्वजों, सशस्त्र बलों, अन्य सुरक्षा बलों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बीएसएफ, अर्धसैनिक बलों तथा सशस्त्र बलों सहित भिलाई बिरादरी के सदस्य एवं उनके परिवार के सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ व बधाई दी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर संयंत्र बिरादरी को सम्बोधित करते हुए अनिर्बान दासगुप्ता ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में सुरक्षा के महत्व पर विषेष जोर दिया और सभी से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में भिलाई इस्पात संयंत्र की उत्कृष्ट उपलब्धियों को रेखांकित किया, जिनमें रिकॉर्ड उत्पादन और डिस्पैच, तथा रावघाट क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए 1 मिलियन टन उत्पादन की उपलब्धि और दल्ली-राजहरा-रावघाट रेललाइन परियोजना का पूर्णता की ओर अग्रसर होना आदि शामिल हैं।

76 वें गणतंत्र दिवस पर भिलाई में 76 फीट तिरंगा के साथ एनएसयुआई ने निकाली यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश के 76 वें गणतंत्र दिवस पर भिलाई में 76 फीट तिरंगे के साथ यात्रा निकाली गई। सेंट्रल एवेन्यू में ह्रस्द्ध व शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के संरक्षण में यह कार्यक्रम हुआ। लोकसभा प्रभारी सौरभ मिश्रा व ह्रस्द्ध प्रदेश महासचिव आकाश कनोजिया के नेतृत्व में यह तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा यात्रा में विशेष रूप से विधायक देवेन्द्र यादव की पत्नी श्रीमती शरुतिका ताम्रकार उपस्थित रहे। इस मौके पर भिलाई महापौर नीरज पाल, एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू, राजेंद्र परगनिया, आदित्य सिंह, श्वेता मिश्रा, हरीश सिंह, राम यादव, सुमित सिंह उपस्थित रहे। साथ ही इस कार्यक्रम में प्रमुख साथी राकेश यादव, सुरेंद्र बाघमारे, प्रणय गाडगे, आकाश हंडे, विशेष गौतम, करण वैष्णव, निखिल चौबे, आकाश दहत, बॉबी गिल, दीपक पाल, युवराज चौरसिया, न्यूक सिंह, तौहीद अंसारी, हरदीप, जयंत, आशीष कालों, प्रथमेश, एलेक्स, साहिल, आनंद यदु, गुलशन कुमार, निखिल, काली पुष्पराज एवं अन्य ह्रस्द्ध की महिला साथी उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

बैंक मैनेजर्स को सकारात्मक दृष्टिकोण वाला होना चाहिए-अंशू

श्रीकंचनपथ न्यूज

सेन्ट्रल बैंक के अधिकारियों का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा बैंक के परिवीक्षाधीन अधिकारियों (पी.ओ.एस.) के लिए होटल आदित्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ब्रह्माकुमारी अंशु और ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी का व्याख्यान आयोजित किया गया। विषय था- प्रभावकारी संवाद कौशल और नेतृत्व कला। ब्रह्माकुमारी अंशु दीदी ने प्रभावी संवाद कौशल विषय पर बोलते हुए कहा कि बैंक मैनेजर्स को सकारात्मक दृष्टिकोण वाला होना चाहिए। उसके अन्दर प्रभावी संवाद कौशल का होना भी जरूरी है जिससे कि वह अपनी बात को खाताधारकों को अच्छी तरह से समझा सकें और उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें। हमारी बातचीत में 7 प्रतिशत योगदान शब्दों का होता है बाकि 38 प्रतिशत बोलने का लहजा और 55 प्रतिशत बॉडी लैंग्वेज कार्य करता है।

उन्होंने आगे बतलाया कि कई बार हम कहते कुछ हैं और लोग समझते कुछ और हैं। इसका कारण है कि एक ही शब्द के कई अर्थ होते हैं। इसलिए शब्दों का चयन सोच समझकर करें। हमें बैंक में आए लोगों को समय पर और सही जानकारी देनी चाहिए। प्रभावी संवाद कौशल की बुनियाद ईमानदारी पर टिकी है। यह अन्य लोगों को समझने की कला है न कि तर्क जीतना या अपनी बात दूसरों पर थोपना। जिन समस्याओं का हल गूगल न दे सके उसका समाधान हम बतलाएं तो हम बुद्धिमान कहलाएंगे।

एक अच्छे मैनेजर की विशेषता बतलाते हुए उन्होंने कहा कि पहले हमें लोगों की समस्याओं को धैर्यवत होकर शान्त मन से सुनना चाहिए। उनसे घुल-मिल जाएं और पूरी जानकारी लेने के बाद उनकी समस्याओं को महसूस करें फिर उसका समाधान निकालें। बैंक में कार्य करते समय राजयोग मेडिटेशन की सहायता से मन को शान्त रखना सीखें। यदि आपका मन शान्त नहीं होगा तो किसी को सुन नहीं सकेंगे।

ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने नेतृत्व कला विषय पर बोलते हुए कहा कि एक अच्छा लीडर दूसरों से अपेक्षा करने की बजाए खुद आगे बढ़कर सहयोग करने वाला होगा। वह सबको साथ लेकर चलेगा। वह मिलनसार होगा। वह स्वयं शान्त रहकर सबकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनेगा और सबका समुचित मार्गदर्शन करेगा। वह अकेले काम करने की बजाए टीमवर्क से काम करेगा।

उन्होंने बतलाया कि अच्छा लीडर बनने के लिए सबसे पहले उसे अपना स्वयं का लीडर बनना होगा। राजयोग साधना से उसे अपनी पांचों कर्मेन्द्रियों का मालिक बन सकते हैं। अगर उसकी अपनी कर्मेन्द्रियाँउसके नियंत्रण में नहीं होंगी तो दूसरे लोग कैसे उसका आदेश मानेंगे? इसके साथ ही उसे सबके विचारों को सम्मान देकर चलना होगा। एक अच्छा लीडर सबमें विशेषताएं देखेगा और अपने टीम के लोगों की अच्छाईयों की प्रशंसा करेगा। प्रशंसा से प्रोत्साहन मिलता है।

कमिश्नर कार्यालय में संभागायुक्त महादेव कावरे ने किया ध्वजारोहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर संभागायुक्त महादेव कावरे ने ध्वजारोहण कर अधिकारी-कर्मचारियों को गणतंत्र गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर सभी अपने दायित्व का निर्वहन करें। संविधान देश के लोगों को शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक रूप से समान अवसर देता है।संविधान प्रदत्त अपने अधिकारों के साथ-साथ देश के प्रति लोग अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती ज्योति सिंग और बी.आर. जोशी सहित कार्यालय के अन्य अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी को कलेक्टर ने किया सम्मानित

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने कलेक्टोरेट में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कलेक्टर ने ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप और सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद सहित अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 38 अधिकारीयों-कर्मचारियों को सम्मानित किया।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व का आयोजन सही मायनों में तभी फलीभूत होगा जब हमे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका समर्पित भाव से निर्वहन करें। हमें चाहिए की हमारे पास जो नागरिक आते हैं वे पूर्ण रूप से संतुष्ट होकर ही जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग सहायक ग्रेड 2 श्रीमती कावेरी देंवागन, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती शीला बैश सहायक ग्रेड 2, भृत्य बलराम विश्वकर्मा एवं अदित्य निषाद, वरिष्ठ लिपिक शाखा सहायक ग्रेड 2 श्रीमती उषा दरवलकर, सहायक कोषालय अधिकारी गोविंद राम बसोने, सक्षारता मिशन प्राधिकरण आपरेटर सुश्री गायत्री धनेंद्र, रायपुर विकास प्राधिकरण सहायक ग्रेड 2 कमल नारायण शर्मा, जिला पंचायत आपरेटर गजेंद्र भाट, जिला कौशल विकास प्राधिकरण आपरेटर ओंकार सिंह कैंबो, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी कुमारी उर्वशी ध्रुव, जिला निर्वाचन कार्यालय भृत्य प्रीतम बघेल एवं मनीष घुव्र, प्रभारी खनिज निरीक्षण रघुनाथ भरद्वाज,भू अभिलेख शाखा चैनमैन सतीश साहू, सहायक आंतरिक लेख परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी हरिंवश कुमार साहू, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सहायक ग्रेड 1 सुरेश चंद्रभाश, उप जेल अधीक्षक श्रीमती मधु सिंह, जिला पंजीयक रिकार्ड कीपर रविशंकर देवांगन, कार्यालय पालन अभियंता जल प्रबंध संभाग सहायक वर्ग 2 सुरेंद्र धर दीवान, कार्यालय अभियंता लोक निर्माण विभाग अनुविभागीय अधिकारी ज्वालाकांत साहू, सहायक श्रमायुक्त सहायक ग्रेड-02 राहुल नामदेव, कलेक्टर आदिवासी विकास सहायक ग्रेड-03 श्रीमती अनिता साहू, नगर सेना रायपुर पांडू राम सोनी, डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय वार्डबॉय चंद्रिका प्रसाद विश्वकर्मा, कलेक्टर जनदर्शन शाखा कम्प्यूटर ऑपरेटर अंचल कुमार शर्मा, सीएमएचओ कार्यालय भृत्य तिलक ध्रुव, जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नगर सेना रायपुर सैनिक जगेश्वर धीवर एवं लाघवेन्द्र कुमार, फायरमैन अनिल मंडले को सम्मानित किया।

इसी तरह जनपद पंचायत अभनपुर सचिव चंदहास साहू, ग्राम रोजगार सहा. रमेश्वर सोनकर, जनपद पंचायत आरंग सहायक ग्रेड-3 महेन्द्र गणवीर, सहायक आंतरिक लेख परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी अशोक मिश्रा, जनपद पंचायत धरसींवा सचिव अमरचंद साहू, रोजगार सहायक श्रीमती भारती वर्मा, जनपद पंचायत तिल्दा नेवरा लेखापाल बी.आर साहू, सहायक आंतरिक लेख परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी लेवन प्रसाद वर्मा को सम्मानित किया।

निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने फहराया राष्ट्रध्वज तिरंगा

76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्यालय में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया। स्मार्ट सिटी प्रबंध संचालक एवं निगम आयुक्त ने भारत माता और महात्मा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के अमर शहीदों का पुण्य स्मरण किया। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक राष्ट्रगान किया। प्रबंध संचालक एवं निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दीं.संक्षिप्त आयोजन में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारीगणों की उपस्थिति रही।

कृषि विवि कुलपति डॉ. चंदेल ने तिरंगा फहराया और परेड की ली सलामी

देश के 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि महाविद्यालय, रायपुर में विश्वविद्यालय स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में तिरंगा फहराया एवं परेड की सलामी ली। 76वें गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर प्रदेश का एक मात्र विश्वविद्यालय है जिसे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेंमवर्क में कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के अंतर्गत 39वीं रैंक प्रदान किया गया है जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के छात्रों को कृषि की उच्च शिक्षा में अग्रसर करने के लिए देश के लगभग 70 अग्रणी विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के साथ एक एम.ओ.यू. किया है। डॉ. चंदेल ने बताया कि बीटेक (फूड टेक) का पहला बैच सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुआ और 2023-24 के दौरान कॉलेज के सभी 20 छात्रों को विभिन्न प्रमुख खाद्य उद्योगों से प्री प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थियों को विगत वर्ष राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों तथा निजी संस्थानों में रोजगार प्राप्त हुआ है। डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक एवं प्लाटिंग मटेरियल के व्यावसायीकरण हेतु विश्वविद्यालय द्वारा 7 प्राईवेट संस्थाओं से एम.ओ.यू. किया गया है। वर्ष 2023-24 तक में विभिन्न फसलों की कुल 18 प्रजातियां विकसित एवं प्रसारित की गई है जिसमें धान की 8, सोयाबीन की 1, गेंहू की 1, मक्का की 1, कुल्थी की 2, करायत की 1, अलसी की 1, कैप्स गूज बेरी की 1, हल्दी की 1 एवं मूंगफली की 1 प्रजाति शामिल है। कुलपति डॉ. चंदेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों से आव्हान किया कि वे विश्वविद्यालय के प्रगति के लिए पूरी लगन एवं निष्ठा के साथ कार्य करें।

खास खबर...

सचिव जनसंपर्क पी. दयानंद ने महाकुंभ में छत्तीसगढ़ पवेलियन का लिया जायजा

रायपुर। सचिव जनसंपर्क श्री पी. दयानंद आज प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां स्थित छत्तीसगढ़ पैवेलियन का जायजा लिया। उन्होंने वहां मौजूद श्रद्धालुओं से बात की और उनसे वहां मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। श्री दयानंद ने वहां तैनात अधिकारियों से श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। इसके लिए उन्होंने पैवेलियन में तैनात अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज महाकुंभ 2025 में त्रिवेणी संगम में स्नान करने रोज छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर सेक्टर-6 में छत्तीसगढ़ पवेलियन का निर्माण किया गया है ,जहां लोगों को ठहरने और भोजन की निशुल्क व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पैवेलियन में छत्तीसगढ़ की समृद्ध साँस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को बखूबी दर्शाया गया है। प्रतिदिन वहां शाम को छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी जा रही है।

कलेक्टर सिंह उत्कृष्ठ तरीके से मतदान दलों का प्रशिक्षण कराने के लिए हुए सम्मानित

रायपुर। लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मतदाताओं की होती है। मतदाताओं की निर्वाचन में जितनी अधिक संख्या में सहभागिता रहेगी उतना ही लोकतंत्र सशक्त होगा। मतदाता दिवस के आयोजन का उद्देश्य मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करना है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त अजय कुमार सिंह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के विवेकानंद सभागार में आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय कुमार सिंह ने कहा कि हमारे देश के संविधान में निष्पक्ष चुनाव के लिए अनेक प्रावधान किए गए है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और सशक्त निर्वाचन के लिए आज ही के दिन निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई थी।

सफल निर्वाचन के लिए संपूर्ण जिला प्रशासन बधाई के पात्र: श्रीमती कंगाले

रायपुर। जिले में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहब कंगाले ने निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। साथ ही मतदाता शपथ भी दिलाई। इस कार्यक्रम में निर्वाचन गीतकार व्याख्यता मीनाक्षी केशरवानी द्वारा गाई गई निर्वाचन गीत का विमोचन किया गया। साथ ही उन्हें सम्मानित किया गया। इसके अलावा नए मतदाता को इपिक कार्ड प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहब कंगाले जिला प्रशासन रायपुर को सफल निर्वाचन कार्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रायपुर राजधानी होने के साथ-साथ सबसे अधिक विधानसभा क्षेत्र वाला जिला है। यहां पर शहरी जनसंख्या अन्य जिलों की अपेक्षा ज्यादा है। यहाँ चुनाव कराना अपने आप में अलग प्रकार की चुनौती है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पिछले लोकसभा चुनाव के तुलना में मतदान का प्रतिशत जहां देश के अन्य भागों में कम हुआ और यहां पहले के अपेक्षा मतदान में बढ़ोत्तरी हुई। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी से लेकर निर्वाचन कार्य में संलग्न अग्रिम पंक्ति के बीएलओ सहित अन्य कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। श्रीमती कंगाले ने कहा कि निर्वाचन ऐसा कार्य है जिसमें सभी विभाग बिना किसी भेद भाव के और सभी वर्ग के अधिकारीगण उत्साह के साथ भाग लेते हैं। उनके जज्बें को देखते हुए ये आयोजन किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव कुमार सिंह ने कहा कि मतदाता दिवस का आयोजन हर वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष अलग है, क्योंकि हमारे जिला प्रशासन द्वारा पिछले एक वर्ष में दो चुनाव संपन्न कराएं है और तीसरा चुनाव कराने जा रहे हैं। रायपुर जिला प्रशासन ने राज्य निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण निर्वाचन और इत्यादि में कुछ नवाचार किए जिसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर भी हुई। इसके लिए चुनाव कार्य में लगे सारे कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह पुरस्कार प्रतीकात्मक है। यदि किसी विभाग के एक कर्मचारी को यह सम्मान मिल रहा है तो यह उसके पूरे विभाग के लिए गर्व की बात है। इस कार्यक्रम एसएसपी डॉ लाल उम्मेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद और जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे उपस्थित रहे।

छग राज्य बीच हैंडबाल महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 38वीं राष्ट्रीय खेल का आयोजन उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड सरकार द्वारा भारतीय ओलम्पिक संघ के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। उक्त राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड के विभिन्न शहरों में आयोजित जा रहा है, शहरों एवं खेलों के नाम निम्नानुसार है :- देहरादून: स्क्वैश, तिरंदाजी, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, बास्केटबॉल 5×5 एवं 3×3, जिम्नास्टिक्स, टेबल टेनिस, बैडमिन्टन, लॉन बॉल, शूटिंग (रायफल एंड पिस्टल), नेटबॉल, रग्बी 7, लॉन टेनिस, वुशु, जूडो, टेहरी: रोविंग, कायाकिंग एवं केनोइंग (स्प्रीन्ट), बीच हैंडबाल, बीच वॉलीबाल, बीच कबड्डी, पॉरी: एस्ट्रीम स्लालोम, कायक क्रॉस एंड केनोय स्लालोम, हरिद्वार: कबड्डी, कुश्ती, हॉकी, कलरीपयट्ठ, रुद्रपुर: शूटिंग (ट्रैप एंड स्कीट), रोड सायक्लिंग, ट्रैक सायक्लिंग, वॉलीबाल, हैंडबाल, हल्दवानी: ट्रायथलॉन, तैराकी, मॉडर्न पेन्टाथलॉन, खो-खो, फेंसिंग, ताइक्वांडो, फुटबॉल, सत्ताल: माउन्टेन बाइकिंग, अलमोरा: योगासना, पिथौरागढ़: बॉक्सिंग, तनकपुर: राफ्टिंग - स्लालोम, आर.एक्स. राफ्टिंग, राफ्टिंग -डाउन रिवर, खातिमा: मल्लखम्ब उक्त राष्ट्रीय खेल में बीच हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन शिवपुरी टेहरी (उत्तराखंड) में 27 से 31 जनवरी 2025 तक किया जा रहा हैं जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य की 13 सदस्यीय बीच महिला हैंडबाल टीम छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के बैनर में भाग ले रही है।

राष्ट्रीय खेल में भाग लेने के पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य की बीच महिला हैंडबाल टीम का राष्ट्रीय खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करने हेतु विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बीच वॉलीबाल ग्राउण्ड, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1, भिलाई (छ.ग.) में 18 जनवरी से 23 जनवरी 2025 तक मुख्य प्रशिक्षक एवं पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शेख मौला, सहायक प्रशिक्षक एवं पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी श्रीमती जुलियट विनय तथा प्रबंधक एवं पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी श्रीमती अमिता मोहापात्रा, के संरक्षण में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य की बीच महिला हैंडबाल टीम का प्रशिक्षण शिविर का समापन 23 जनवरी 2025 को दोपहर 2:00 बजे से दुर्ग जिला के सांसद विजय बघेल, उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ भारोत्तोलन संघ एवं अध्यक्ष जिला ओलम्पिक संघ, दुर्ग के करकमलों द्वारा समापन समारोह करते हुये खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से छत्तीसगढ़ ओलिंपिक एसोसिएशन द्वारा दिया गया प्लेइंग किट - ट्रेकसूट, विनसिटर, टी-शर्ट, जूता, मोजा, कैप, कीट बैग, ब्लेजर आदि का वितरण किया गया। विजय बघेल जी ने 38वीं राष्ट्रीय खेल, उत्तराखंड में भाग लेने वाले खिलाड़ियों एवं अधिकारियों की घोशणा की जिनके नाम निम्नानुसार है:- कु. कंचन महानंद (दुर्ग जिला), कु. भाविका रामटेके (दुर्ग जिला), कु. सुनिधि मिश्रा (दुर्ग जिला), कु. प्रिया तिवारी (दुर्ग जिला), कु. प्रीति साहू (रायपुर जिला), श्रीमती प्रिया (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर), कु. काजल (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर), कु. गौरव (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर), कु. सुरक्षा (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर), कु. पंकज सांगवान (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर), टीम के प्रशिक्षक शेख मौला (दुर्ग जिला), सहायक प्रशिक्षक श्रीमती जूलियट विनय (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर), प्रबंधक श्रीमती अमिता मोहापात्रा (द.पू.म. रेल्वे, बिलासपुर)।

छत्तीसगढ़ बीच महिला हैंडबाल टीम को 38वीं राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर पदक प्राप्त करने हेतु अपनी शुभकामनाये प्रदान की। इस अवसर पर 38वीं राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल के शेफ-डी-मिशन सहीराम जाखड़, बशीर अहमद खान, संस्थापक सदस्य छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ एवं कोषाध्यक्ष, भारतीय फेंसिंग महासंघ, जी. सुरेश पिल्लई, अध्यक्ष, भारतीय पंजा कुश्ती महासंघ, छत्तीसगढ़ रोविंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रामजस पाल, भिलाई इस्पात संयंत्र हैंडबाल क्लब के सचिव अब्दुल रहीम, छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के महासचिव समीर खान, राष्ट्रीय हैंडबाल अकादमी के पूर्व एन.आई.एस. एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक एम. सुरेश कुमार, पूर्व अंतर्ष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी बी.डी. करुपति, टीम के प्रशिक्षक शेख मौला एवं सहायक प्रशिक्षक श्रीमती जुलियट विनय उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ बीच महिला हैंडबाल टीम को बीच महिला हैंडबाल इवेन्ट में पदक प्राप्त करने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन, रायपुर जिला के माननीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी, उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन, उपाध्यक्ष केदार कश्यप (माननीय केबिनेट मंत्री, छ.ग. शासन), गजराज पगारिया, उपाध्यक्ष सुनिल रामदास अग्रवाल, उपाध्यक्ष रमेश कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी, उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, उपाध्यक्ष संजय पिल्ले, उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा, सहसचिव मो. अकरम खान, सहसचिव आर. राजेन्द्रन, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के पूर्व महासचिव बलदेव सिंह भाटिया, छत्तीसगढ़ आइस स्केटिंग के अध्यक्ष रमन कुमार साहनी सहित छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के पदाधिकारीगणों, छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ के पदाधिकारीगणों तथा विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारीगणों ने बधाई देते हुये अपनी शुभकामनाये प्रदान की। छत्तीसगढ़ राज्य की बीच महिला हैंडबाल टीम 38वीं राष्ट्रीय खेल में भाग लेने हेतु 24 जनवरी 2025 को हमसफर एक्सप्रेस से रवाना हुई तथा 02 फरवरी 2025 को छत्तीसगढ़ वापस आयेगी।

टाइगर श्रॉफ की नवीनतम पोस्ट है एकदम खास

बॉलीवुड के पहले और सबसे युवा 200 करोड़ क्लब सेंसेशन, टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर अपनी नवीनतम थ्रोबैक पोस्ट से इंटरनेट पर तहलका मचा रहे हैं। अपनी सुगठित बॉडी और आग लगा देने वाली इंटेंसिटी का प्रदर्शन करते हुए, इस एक्शन सुपरस्टार ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है और कमेंट सेक्शन में हलचल मचा दी है।

2025 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक, उनकी आगामी फिल्म बागी 4 के लिए उत्साह बढ़ने के साथ, टाइगर का बेजोड़ करिश्मा और समर्पण, एक ग्लोबल एक्शन आइकन के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत कर रहा है। सुपरस्टार स्क्रीन और सोशल मीडिया दोनों पर आग लगा रहे है, और वह एक बार फिर यह साबित कर रहे है कि उन्हें लोग एक पावरहाउस क्यों मानते है।

शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं अभिनेत्री रिया सेन

रिया सेन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा हैं। 24 जनवरी 1981 को कोलकाता में जन्म लेने वाली अभिनेत्री का परिवार एक ऐतिहासिक और शाही पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ है। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार से थे। उनकी दादी इला देवी कूचबिहार की राजकुमारी थीं। रिया की मां मुनमुन सेन और नानी सुचित्रा सेन भी मशहूर अभिनेत्री रह चुकी हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई।

बचपन से अभिनय की ओर रहा रुझान

रिया सेन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। मात्र पांच साल की उम्र में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 1991 में फिल्म 'विषकन्या' में एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया, जिससे उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान मिलनी शुरू हुई। हालांकि, रिया की फिल्मी यात्रा में उनकी पहली बड़ी सफलता साल 2001 में आई फिल्म 'स्टाइल' से मिली। यह एक कम बजट की कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म काफी हिट रही। इसके बाद उनके लिए इंडस्ट्री के दरवाजे खुल गए और उन्होंने कई फिल्मों में काम कर अपने अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया।

दीपिका को कर चुकी हैं रिप्लेस

रिया ने एक मॉडल के रूप में भी काफी सफलता हासिल की। मुख्य अभिनेत्री के रूप में फिल्मों में आने से पहले वह साल 1998 में फाल्गुनी पाठक के संगीत वीडियो 'याद पिया की आने लगी' गाने में अभिनय करती दिखी थीं। इस गाने ने उन्हें रातों रात लोकप्रिय बना दिया था। इसके बाद रिया कई फैशन शो, संगीत वीडियो और विज्ञापनों में नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अपने मॉडलिंग करियर के पीक पर वह साल 2006 में एक शीतल पेय ब्रांड के विज्ञापन के लिए दीपिका पादुकोण को रिप्लेस भी कर चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने कई प्रमुख ब्रांड्स के लिए मॉडलिंग भी कर चुकी हैं।

अब तक ऐसा रहा रिया का फिल्मी सफर

रिया सेन ने अपनी फिल्मी सफर में न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने बंगाली, तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। उनकी सबसे सफल गैर-हिंदी फिल्म 'अनंतभद्रम' (2005) थी। यह एक मलयालम फिल्म थी। इस फिल्म को समीक्षकों ने काफी सराहा था। इसके अलावा 'झंकार बीट्स' (2003) जैसी फिल्में भी उनके करियर की महत्वपूर्ण कड़ी रही हैं। रिया ने फिल्मों में कई छोटी भूमिकाएं भी निभाईं। 'कयामत' (2003), 'प्लान' (2004) और 'हे बेबी' (2007) जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में उन्होंने कैमियो किया।

इस वेब सीरीज में आई थीं नजर

रिया ने 2017 में अपने प्रेमी शिवम तिवारी से एक निजी बंगाली हिंदू समारोह में शादी की। उनकी शादी भी मीडिया में चर्चा का विषय रही थी। साल 2023 में वह बड़े पर्दे पर 'डेथ टेल' नाम की फिल्म में नजर आई थीं। रिया इन दिनों ओटीटी पर ज्यादा सक्रिय हैं। प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'कॉल मी बे' में वह साल 2024 में नजर आई थीं।

मेकर्स ने पुष्पा 3 के लिए बना लिया तगड़ा प्लान, आइटम नंबर में जान्हवी चलाएगी हुस्न का जादू

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2 ने पूरे हिंदी सिनेमा का दिल जीत लिया है। फिल्म की ताबड़तोड़ कमाई ने बाकी सभी फिल्मों को पछाड़ दिया है। अल्लू अर्जुन को उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म मिल गई है, जिसने उन्हें नंबर 1 एक्टर बना दिया है। पुष्पा 2 ने 1800 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर फिल्म मेकर्स को मालामाल कर दिया है। थिएटर में 50 दिन पूरे करने के बाद भी फिल्म की कमाई थमी नहीं है।

अभी भी उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म आमिर खान की दंगल के 2000 करोड़ के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है। पुष्पा फ्रेंचाइजी की बात करें तो मेकर्स ने फिल्म के हर पार्ट में एक आइटम सॉन्ग रखा है, जो लोगों की जुबान से उतर ही नहीं रहा है। स्टार संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने पुष्पा द राइज और पुष्पा द रूल में दो खास गानों ऊ अंतवा मावा और किसिक से जिस तरह का जबरदस्त धमाल मचाया था। दोनों फिल्मों के इन गानों को यूट्यूब पर भी लाखों बार देखा जा चुका है।

पुष्पा 2 की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब सबकी निगाहें पुष्पा फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट पर टिकी हैं। डायरेक्टर सुकुमार ने पुष्पा 2 को एक दिलचस्प मोड़ पर खत्म किया है, आगे क्या होगा ये जानने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल ही में देवी श्री प्रसाद ने अपने नए बयान में पुष्पा 3 के स्पेशल सॉन्ग को लेकर बात की। देवी श्री प्रसाद की मानें तो वो अल्लू अर्जुन की पुष्पा 3 के स्पेशल सॉन्ग में बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर को देखना चाहते हैं। उनका कहना है कि जान्हवी अपनी मां श्रीदेवी की तरह ही बेहद खूबसूरत हैं।

क्या सारा अली खान को डेट कर रहे हैं अर्जुन प्रताप बाजवा?

अभिनेता ने चुप्पी तोड़ बताया सच

सारा अली खान की लव लाइफ तब से चर्चा में है, जब से उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ केदारनाथ में डेब्यू किया था। पिछले साल उनके अभिनेता और मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ डेटिंग करने की अफवाह उड़ी थी। उन्हें केदारनाथ में उनके साथ देखा गया था। अब, एक साल बाद अर्जुन ने डेटिंग अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'लोगों को जो लिखना है, वे लिखेंगे।'

डेटिंग की अफवाह पर क्या बोले प्रताप बाजवा

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने चल रहीं अफवाहों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि यह उनका काम है, जबकि वह सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'तो, लोगों को जो भी लिखना है, वे लिखेंगे। यह उनका काम है। वे अपना काम कर रहे हैं। मैं सिर्फ अपने आप पर और मुझे क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं और यह वास्तव में मुझे परेशान नहीं करता है।' इस बीच सारा ने अभी तक डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन हैं प्रताप बाजवा

प्रताप बाजवा पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और राजनीतिज्ञ फतेह सिंह बाजवा के बेटे हैं। वह सिंह इज ब्लिंग में सहायक थे और उन्होंने बैंड ऑफ महाराजा फिल्म में काम किया है। अभिनेता और मॉडल होने के अलावा, वह फिटनेस के भी शौकीन हैं। वह एक प्रशिक्षित एमएमए फाइटर हैं।

सारा अली खान की फिल्म

इस बीच सारा अली खान वीर पहाड़िया के साथ अपने पिछले रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्काई फोर्स में एक साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने एक-दूसरे के पति-पत्नी का किरदार निभाया था। दर्शकों द्वारा उनकी शानदार केमिस्ट्री की तारीफ की जा रही है।

नोरा फतेही ने शॉर्ट ड्रेस में पैपराजी के सामने फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

फोटोज देख लट्टू हुए फैंस

अपने डांसिंग स्टाइल से लोगों को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस अपनी हॉटनेस के चलते आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में पैपराजी ने एक्ट्रेस को कही पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

नोरा फतेही आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। एक्ट्रेस नोरा फतेही का हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। चाहे इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर एक लुक में बवाल काटती हैं।

अब हाल ही में नोरा फतेही को पैपराजी ने कहीं पर जाते हुए स्पॉट किया। इस दौरान उनका लेटेस्ट लुक इंटरनेट पर आते ही छा गया। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नोरा फतेही ने व्हाइट कलर का शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

नोरा फतेही की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हाथ में छोटा सा बैग व्हाइट हील्स, लाइट मेकअप और खुले बाल कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि जब भी कोई इवेंट या पार्टी होती है तो पैपराजी अक्सर सेलेब्स को अपने कैमरे में कैद करने के लिए बेताब रहते हैं। उनका हर एक लुक अपने कैमरे में कैप्चर कर सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं, जिससे फैंस को भी एक झलक देखने को मिल पाती है।

पीरियड्स के दौरान पैड के अलावा इन प्रोडक्ट्स का करें इस्तेमाल, कपड़ों पर नहीं लगेंगे दाग

महिलाओं को हर महीने पीरियड्स आता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। यह गर्भाशय और अंडाशय वाले लोगों के लिए स्वस्थ मासिक चक्र का हिस्सा है। पीरियड्स तब शुरू होते हैं जब लड़कियां प्यूबर्टी में होती हैं। लेकिन पीरियड्स के पहले 3 दिनों में महिलाओं को काफी परेशानी और दर्द का अनुभव होता है। पीरियड्स के बारे में सोचकर घबराना आम बात है। क्योंकि मासिक धर्म में न केवल तेज दर्द होता है बल्कि कभी-कभी कपड़ों पर दाग भी पड़ जाते हैं, ऐसे में परेशानी और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

एक समय था जब ज्यादातर भारतीय महिलाएं मासिक धर्म के दौरान सिर्फ कपड़े का ही उपयोग करती थीं, जो सेहत के लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं माना जाता हैं। वहीं, आजकल महिलाएं पीरियड पैड का इस्तेमाल करती हैं। वैसे तो ज्यादातर भारतीय महिलाएं पीरियड पैड का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन बाजार में मासिक धर्म से जुड़े कई विकल्प उपलब्ध हैं।

बता दें, पैड से ब्लड लीक का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। मासिक धर्म के शुरुआती दिनों में ब्लड फ्लो बढ़ने के कारण पैड को बार-बार बदलना भी पड़ता है। इससे कपड़ों पर दाग लगने का खतरा बढ़ जाता है। तो इस समस्या से बचने के लिए आज हम आपको कुछ अन्य पैड विकल्पों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनका

इस्तेमाल कर आप पीरियड्स के दौरान आरामदायक और सेफ महसूस कर सकती हैं।

मेन्स्ट्रुअल कप

मेंस्ट्रुअल कप रबर या सिलिकॉन से बना हुआ एक छोटा, लचीला कीप के आकार का कप होता है, जिसे महिलाएं अपनी योनि में डालती है। ताकि इसमें पीरियड्स या महावारी का सारा रकस्त्राव जमा हो जाए। टैम्पोन या पैड जैसे दूसरे अन्य तरीकों की तुलना में मेंस्ट्रुअल कप अधिक ब्लड को जमा करने की क्षमता रखता है।

पीरियड पैंटी

पीरियड पैंटी आम महिलाओं के अंडरवियर की तरह ही होती हैं, सिर्फ ये पैंटी ही तरल पदार्थ को आसानी से सोख लेती हैं दाग या रिसाव की कोई समस्या नहीं है ब्लड फ्लो और आराम के हिसाब से पीरियड पैंटी का चुनाव किया जा सकता है मार्केट में पीरियड पैंटी अलग-अलग साइज में उपलब्ध हैं पीरियड पैंटी पैड और मेंस्ट्रुअल कप से भी ज्यादा महंगी साबित हो सकती है।

सेनेटरी नैपकिन

सेनेटरी नैपकिन या स्वच्छता पैड एक चपटी गद्दी होती है जिसे लड़कियों और महिला द्वारा मासिक धर्म के दौरान होने वाले रक्तस्राव के अवशोषण (सोखने) के लिए पहना जाता है।

टैम्पोन

मासिक धर्म के दौरान पैड की जगह टैम्पोन का इस्तेमाल किया जा सकता है टैम्पोन कपास से बने होते हैं, इसलिए इनका उपयोग सुरक्षित माना जाता है अतिप्रवाह के दौरान टैम्पोन का उपयोग न करें, क्योंकि वे सभी खून को अवशोषित नहीं कर सकते हैं

लीकेज से कैसे बचें

पीरियड लीकेज से बचने के लिए मेंस्ट्रुअल कप और पीरियड पैंटी का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि आप पैड का उपयोग कर रहे हैं, तो हाई ब्लड फ्लो के दौरान उन्हें हर 3 से 4 घंटे में बदलें, ऐसा इसलिए क्योंकि एक ही पैड को अधिक समय तक इस्तेमाल करने से बाद में समस्या हो सकती है।

आयरन का बेहतरीन स्त्रोत है पालक, इससे बनाकर खाएं ये स्वादिष्ट स्नैक्स

पालक एक पौष्टिक हरी पत्तेदार सब्जी है, जो आपके खाने में नया स्वाद जोड़ सकता है। पालक आयरन का बेहतरीन स्त्रोत है। इसके साथ ही इसमें विटामिन-ए, विटामिन-सी समेत कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। आइए आज हम आपको पालक के स्नैक्स की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप शाम के समय बनाकर खा सकते हैं। यकिनन ये आपके घर में सभी को पसंद आएंगे।

कुरकुरी पालक पत्ता चाट

पालक पत्ता चाट बनाने के लिए सबसे पहले ताजे और बड़े पालक के पत्तों को धोकर सुखाएं। अब बेसन, नमक, लाल मिर्च और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा घोल बनाएं, फिर इस घोल में पालक के पत्तों को डुबोकर गर्म तेल में तलें। इसके बाद तले हुए पालक के पत्तों को प्लेट पर रखकर इनके ऊपर दही, हरी चटनी, मीठी चटनी, सेव और अनारदाना गार्निश करें। यह कुरकुरी पालक पत्ता चाट आपके मेहमानों

को पसंद आएगी।

पालक की टिक्की

पालकी टिक्की एक अनोखा व्यंजन है, जिसके लिए सबसे पहले उबले आलूओं को मैश करें और उसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब इसमें उबला और कटा पालक डालें, फिर नमक और मसाले मिलाकर टिक्की का आकार दें। इन टिक्कियों को गरम तेल में सुनहरा होने तक तलें या तवे पर सेंके। इसे हरी धनिये की चटनी या खजूर की चटनी के साथ परोसें ताकि इसका स्वाद दोगुना हो जाए।

मलाईदार पालक पास्ता

अगर आप पास्ता पसंद करते हैं तो मलाईदार पालक पास्ता जरूर बनाएं। सबसे पहले पास्ता को पानी में उबालकर ठंडे पानी से धो लें, फिर एक कढ़ाई में मक्खन गर्म करके उसमें लहसुन और प्याज भूनें। अब इसमें क्रीम डालकर मिलाएं, फिर इसमें उबला हुआ पास्ता और बारीक कटा पालक डालें। इसके बाद इसमें ऊपर से चीज़ और ओरेगानो या मिक्स्ड हर्ब्स डालकर इसे गर्मागर्म परोसें। यह पास्ता बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आएगा।

पालक की स्मूदी

सुबह की शुरुआत अगर हेल्दी स्मूदी से हो तो पूरा दिन ऊर्जा भरा रहता है। इसके लिए ब्लेंडर में ताजे पालक के पत्ते, केला, ही, शहद और थोड़ा-सा दूध डालकर ब्लेंड कर लें जब तक सब कुछ अच्छे से मिश्रित ना हो जाएं। अब इस स्मूदी को ग्लास मे निकाल कर तुरंत पीएं। यह स्मूदी ना केवल पौष्टिक होती है बल्कि पेट भरने वाली भी होती हैं, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती।

मसालेदार पालक रोल्स

मसालेदार पालक रोल्स पार्टी स्नैक्स के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। इसके लिए रोटी बेलकर उस पर हल्का मक्खन लगाएं और बीच में तैयार मसाला रखें, जिसमें उबले आलू, पालक, प्याज, टोमैटो सॉस आदि शामिल हों। अब इसे रोल करके हल्का सेंकें ताकि बाहर की परत कुरकुरी बन जाए। इन्हें काटकर प्लेट में सजाएं और ऊपर से थोड़ा चीज़ ग्रेट करके ओवन में हल्का मेल्ट होने तक रखें। ये रोल्स बच्चों को खासतौर पर पसंद आते हैं।

बस्तर संभाग के 26 गांवों में पहली बार लहराया तिरंगा नक्सल उन्मूलन अभियान की सफलता से बदली तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में 76वें गणतंत्र दिवस का आयोजन इस बार इतिहास में खास दर्ज हुआ। वह गांव, जो कभी नक्सलियों के खौफ और आतंक के साए में जीने को मजबूर थे, अब शांति और विकास की नई राह पर चल रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित नक्सल उन्मूलन अभियान की जबरदस्त सफलता के चलते गांवों में सुरक्षा और विश्वास का नया माहौल बनने से इस बार 26 गांवों में पहली बार ग्रामीणों ने तिरंगा फहराया और पूरे उत्साह से गणतंत्र दिवस मनाया।

गौरतलब है कि बीजापुर जिले में गुंडम, फुटकेल, छुटवाही, कोंडापल्ली, जिड़पल्ली, वाटेवागु, कर्रेगट्टा, पीड़िया, नारायणपुर जिले में कस्तुरमेटा, मसपुर, ईरकभट्टी, मोहंदी, होरादी, गारपा, कच्चापाल, कोड़लियार, सुकमा जिले में टेकलगुड़ेम, पुवर्ती, लखापाल, पूलनपाड़, तुमालपाड़, रायगुडेम, गोलाकुंडा, गोमगुड़ा, मेंट्टागुड़ा तथा कांकेर जिले में पानीडोबीर सुरक्षा कैंप बीते एक सालों में स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित नक्सल उन्मूलन अभियान ने बस्तर संभाग में सुरक्षा और विकास की नई कहानी लिखी है। इस अभियान के अंतर्गत बस्तर के अंदरूनी और सुदूर इलाकों में सुरक्षा केंद्र स्थापित कर शांति बहाल की गई है। इन गांवों में कभी नक्सलियों का प्रभाव इतना गहरा था कि लोग राष्ट्रीय पर्व तो दूर, सामान्य जीवन भी भय के साए में जीने को मजबूर थे। अब, नक्सल उन्मूलनअभियान के प्रयासों से वहां न केवल शांति स्थापित हुई है, बल्कि स्थानीय लोगों में एक नई उम्मीद जगी है।

गौरतलब है कि बीते एक वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कुल 26 नए सुरक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन सुरक्षा केंद्रों ने न केवल कानून व्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि इन क्षेत्रों को विकास केंद्र का स्वरूप दिया है। बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जिलों के इन गांवों में ग्रामीणों ने पहली बार गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पूरे उत्साह से इस पर्व में भाग लिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर इन सुरक्षा केंद्रों पर पुलिस और सुरक्षा बलों ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान गणतंत्र दिवस के महत्व पर चर्चा की गई और लोगों को मिठाइयां, बच्चों को चॉकलेट और अन्य सामग्री वितरित की गई।

भारत पर्व में छत्तीसगढ़ की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

झांकी में रामनामी समुदाय, जनजातीय कला, नृत्य व शिल्प की दिख रही झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित हो रहे भारत पर्व 2025 में छत्तीसगढ़ की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र बन गई है। यह झांकी राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और रामनामी समुदाय की विशिष्ट झलक को खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। भगवान श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति के लिए प्रसिद्ध रामनामी समुदाय इस झांकी का मुख्य आकर्षण है। उनकी अनोखी परंपराएं, संस्कृति और जीवनशैली दर्शकों को गहराई से प्रभावित कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ की झांकी में राज्य की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक लोक जीवन को बड़े ही शानदार तरीके से दर्शाया गया है। झांकी में जनजातीय कला, पारंपरिक नृत्य, और शिल्प की झलक ने देश-विदेश से आए दर्शकों को राज्य की अनमोल सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू कराया। साथ ही यह झांकी छत्तीसगढ़ की आदिवासी जीवनशैली और उनकी अनूठी परंपराओं का जीवंत चित्रण प्रस्तुत करती है। भारत पर्व 2025, जो गणतंत्र दिवस के अवसर पर पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, भारतीय संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच है। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों की झांकियां, सांस्कृतिक प्रदर्शन और स्थानीय व्यंजनों के स्टॉल जनता के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ की झांकी ने 'देखो अपना देश' की थीम के तहत राज्य के सांस्कृतिक गौरव और परंपराओं को देश और दुनिया के सामने पेश किया है।

यह आयोजन 26 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक दर्शकों के लिए खुला है। निशुल्क प्रवेश के साथ, यह पर्व लोगों को भारत की सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक धरोहर, और आधुनिक विकास का अनुभव करने का अनोखा अवसर प्रदान करता है। लाल किले के प्रांगण में छत्तीसगढ़ की झांकी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। यह झांकी छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रही है।

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस समारोह में वीरता शौर्य एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए पद अलंकरण से किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राज्यपाल रमेन डेका ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पद अलंकरण से सम्मानित किया। उन्होंने 15 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुलिस वीरता पदक 2024 से अलंकृत किया।

निरिक्षकशिशुपाल सिन्हा, निरिक्षक निर्मल जांगड़े जिला कांकेर, सहायक उप निरिक्षक गोपाल बोड्डु जिला बीजापुर, प्रधान आरक्षक श्री एमैया चिलमुल जिला बीजापुर, प्रधान आरक्षक प्रफुल्ला गोपाल जिला बीजापुर, प्रधान आरक्षक तुलाराम कुहरामी जिला बीजापुर, आरक्षक हेमन्त एण्ड्रिक जिला बीजापुर, आरक्षक मोती लाल राठौर जिला बीजापुर, आरक्षक गोविन्द सोढ़ी जिला बीजापुर, आरक्षक सुकारू राम जिला बीजपुर, आरक्षक मुन्ना राम कड़ती जिला बीजापुर, आरक्षक कृष्णा गाली 19 पोखरण वाहिनी छसबल, करनपुर जिला जगदलपुर, आरक्षक भीमा राम बेड़ता जिला बीजापुर, आरक्षक धनीराम कोरसा जिला बीजापुर, आरक्षक श्री कृष्णा ताती जिला बीजापुर को पुलिस वीरता पदक से अलंकृत किया गया। इसके अलावा आनंद सिंह रावत, सहायक सेनानी पीटीसी, बोरगांव विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति का पुलिस पदक दिया गया।

सराहनीय सेवा हेतु पुलिस महानिरीक्षक सुशील चन्द्र द्विवेदी, माना रायपुर के पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिंज, उप पुलिस अधीक्षक गुरजीत सिंह, सहायक सेनानी प्रशांत श्रीवास्तव, जगदलपुर कंपनी कमाण्डर प्रभुलाल कोमरे, बस्तर उप निरीक्षक द्वारिका प्रसाद मिश्रा, सुकमा प्रधान आरक्षक धरम सिंह नरेटी, कांकेर प्रधान आरक्षक रविन्द्र कुमार ठाकुर को अलंकृत किया गया। सराहनीय सुधार सेवा पदक के लिए बिलासपुर जेल शिक्षक हेमंत कुमार नामदेव, दुर्ग प्रहरी ताराचंद अवस्थी, रायपुर प्रहरी टेकराम वर्मा, जगदलपुर प्रहरी देवनारायण राम एवं गृह रक्षक तथा नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक के लिए धमतरी सैनिक सुरेन्द्र कुमार सिंगौर तथा राज्य वीरता पुरस्कार के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा से पोषण जायसवाल, कुणाल कौशले और दंतेवाड़ा से जयंत कुमार मरकाम को पुरस्कार से अलंकृत किया गया। इसके अलावा कर्तव्य पथ पर साहस और बहादुरी का परिचय देने के लिए पुलिस के वीरता पदक से अलंकृत किया गया।

सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने किया आकर्षक मार्चपास्ट

रायपुर। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में सुरक्षाबलों के 17 टुकड़ियों ने कदम से कदम मिलाकर मार्चपास्ट किया। राज्यपाल रमेन डेका ने उनकी सलामी ली और उनके कमांडर से परिचय प्राप्त किया। परेड कमांडर परीविक्षाधीन भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हर्षित मेहर थे। केन्द्रीय अर्धसैनिक सुरक्षाबलों में बेस्ट कंटिजेंट तेलंगाना पुलिस को प्रथम पुरस्कार के साथ पांच हजार रूपए नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार द्वितीय स्थान पर भारत तिब्बत सीमा बल को तीन हजार रूपए नगद राशि तथा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को तृतीय पुरस्कार के रूप में दो हजार रूपए नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बेस्ट कंटिजेंट राज्य पुलिस बल का प्रथम पुरस्कार छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल महिला को, द्वितीय नगर सेना महिला को तथा तृतीय छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पुरूष को प्राप्त हुआ। इन सभी विजेताओं को प्रथम स्थान प्राप्त को पांच हजार रूपए, द्वितीय स्थान प्राप्त बल को तीन हजार और तृतीय स्थान प्राप्त बल को दो हजार रूपए की नगद राशि और ट्राफी प्रदाय की गई। इसके साथ ही बेस्ट कंटिजेंट प्रथम पुरस्कार एनसीसी बॉयज एवं द्वितीय एनसीसी गर्ल्स को प्राप्त हुआ।

राजनांदगांव जिले में अपूर्व उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजनांदगांव में अपूर्व उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में किया गया। समारोह में खेल एवं युवा कल्याण एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण एवं मुख्यमंत्री का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। समारोह में विकास एवं प्रगति के प्रतीक तीन रंगों का गुब्बारे भी उड़ाये।

समारोह में मंत्री टंकराम वर्मा ने कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के साथ परेड का निरीक्षण किया। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कसेर ने किया। परेड में जवानों द्वारा हर्ष फायर किया गया और सम्प्रभुता, अखंडता के प्रतीक राष्ट्रपति जी की जय का उद्घोष किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री वर्मा द्वारा शहीद पुलिस जवानों के परिवारों के परिजनों को सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मोहक प्रस्तुति दी गई। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्यों पर आकर्षक झांकी का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजित परेड में श्रेष्ठ परेड के लिए आर्म्स प्लाटून वर्ग में 38वीं बटालियन आईटीबीपी को प्रथम एवं नगर सेना महिला बल राजनांदगांव को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। अनआर्म्स प्लाटून वर्ग में डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर (नेवल) ने प्रथम एवं शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय (नेवल) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। समारोह में नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी के बच्चों की प्रस्तुति को प्रथम, पीएमश्री सर्वेश्वर दास नगरपालिक निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चों की प्रस्तुति को द्वितीय तथा जेएलएम गायत्री विद्यापीठ व जेएमजे पब्लिक स्कूल के बच्चों को प्रस्तुति को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्यों पर आकर्षक झांकी का प्रदर्शन भी किया गया। कृषि विभाग की झांकी को प्रथम, वन विभाग की झांकी को द्वितीय एवं जिला पंचायत की झांकी तृतीय स्थान पर रही।

कोरबा में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री आवासन एवं शहरी कार्य तोखन साहू ने जिला मुख्यालय कोरबा के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर शांति और अनेकता में एकता के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये।

गणतंत्र दिवस समारोह केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने शहीदों के परिजनों को शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने स्वर्गीय प्रदीप महतो के द्वारा देहदान दिये जाने पर उनके परिवार के सदस्यों, राज्य स्तरीय पेंटिंग में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सुश्री अनुष्का तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। स्कूली बच्चों ने समारोह में देशभक्ति गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्रबल, जिला पुलिस बल पुरूष, छत्तीसगढ़ नगर सेना महिला, छत्तीसगढ़ नगर सेना पुरूष, एनसीसी पुरूष और एनसीसी महिला, स्काउट-गाईड की टीम ने मार्च पास्ट में हिस्सा लिया। शासकीय विभागों द्वारा आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह में आदिवासी विकास विभाग की झांकी को प्रथम स्थान, महिला एवं बाल विकास विभाग की झांकी को द्वितीय स्थान, स्वास्थ्य विभाग की झांकी को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मार्च पास्ट में जिला पुलिस बल ने प्रथम स्थान, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वितीय तथा जिला पुलिस बल महिला को तृतीय स्थान मिला।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

कांग्रेस नेता बोध राम कंवर सड़क हादसे में घायल, महाकुंभ से लौटते समय हादसा, अस्पताल में भर्ती

कोरबा। कटघोरा विधानसभा क्षेत्र का सात बार प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता बोध राम कंवर सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। कंवर प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान कर बीती रात वापस लौट रहे थे। मोरगा पुलिस चौकी के समीप केंदई गांव में उनकी गाड़ी के चालक को नींद आ गई जिसके कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर किनारे पत्थरों से जा टकराई।

इस दुर्घटना में बोध राम कंवर को काफी चोट आई है। उनके साथ गाड़ी में चार लोग सवार थे जिनमें से दो अन्य लोगों को भी गंभीर चोट लगी है। सभी घायलों को कटघोरा के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां उनके पुत्र और कटघोरा के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर और व स्थानीय कांग्रेस नेता अस्पताल पहुंच गए हैं।

मोरगा चौकी प्रभारी मंगतू राम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते पुलिस की टीम मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए घायलों को अस्पताल के लिए रवाना किया गया वहां पर पूर्व विधायक बोधराम कंवर और उनके भाई दया राम कंवर, इसके अलावा कदम यादव और वाहन चालक भूपेंद्र यादव सवार थे। इस घटना के बाद देखते हैं देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। हादसे के बाद परिजनों को इसकी जानकारी दी गई।

शव दफनाने को लेकर हुए मारपीट में 11 घायल, 7 गिरफ्तार

जगदलपुर। जिले के बड़ाजी थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम बेलर में ईसाई धर्मांतरित महिला के शव को दफ्नाने को लेकर हुए बवाल के बाद मारपीट में आदिवासी समुदाय के 11 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने 21 लोगों के खिलाफ नामजद एफ्आईआर दर्ज की गई है, नामजद आरोपियों में मोहन कोहरामी, रामचन्द्र, यवन मण्डावी, गुप्ता कवासी, बीजा मण्डावी, पीलु मण्डावी, दिनेश कश्यप, अभिषेक मण्डावी, बबलू मण्डावी, रत्तु कश्यप, संतो कश्यप, गोचूं कश्यप, दीनु कश्यप, सरिता मण्डावी, मंगोल मंडावी, टिंगरी कवासी, पाण्डो मण्डावी, चैती मण्डावी, सोमारी कवासी, ऐलिसीबा, बोदे मण्डावी व अन्य दर्जनों शामिल हैं। घटना में शामिल 7 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। मारपीट का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें पुलिस जवानों की मौजूदगी में ही मारपीट हो रही है, जवान बीच-बचाव की कोशिश कर रहे हैं।

ग्रीन वैली में गार्ड की मौत, नशेड़ियों ने कार से मारी थी ठोकर

गंभीर रूप से घायल गार्ड गनपत साहू ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जुनवानी स्थित ग्रीन वैली में दो दिन पहले जिस गार्ड को नशेडियों ने कार से उड़ाया था अब उसकी मौत हो गई है। शनिवार देर रात अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। नशेड़ियों की करतूत के बाद गंभीर रूप से घायल गार्ड गनपत साहू को वेंटिलेटर पर रखा गया था। दो दिन जिंदगी की जंग लड़ने के बाद आखिर कर वह हार गया। नशेड़ियों के घमंड के कारण एक गरीब गार्ड की जान चली गई। हालांकि इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी व उसके साथियों को गिरफ्तार कर उनका पूरी कालोनी में जुलूस निकाला था।

गार्ड को ठोकर मारने वाले कार चालक का नाम सचिन सिंह है जो कि एक स्टूडेंट है। सचिन सिंह का पहले भी गार्ड गनपत से विवाद हो चुका था। 23-24 की दरमियानी रात को सचिन सिंह शराब के नशे में धुत था और अपने साथियों के साथ गेट खोल रहे गार्ड गनपत साहू को उड़ा दिया था। इसे पहले भी सचिन सिंह ने शराब के नशे में गार्ड को धमकी दी थी। उसने कहा था कि तुझे गेट सहित उड़ा दूंगा और उसने किया भी ऐसा ही। फिलहाल मुख्य आरोपी सचिन सिंह को जेल भेज दिया गया है और अब उसके खिलाफ हत्या की धारा के तहत कार्रवाई की जाएगी।

क्या था मामला

दरअसल यह पूरा मामला 23-24 की दरम्यानी रात का है। गार्ड गनपत साहू देर रात चौहान ग्रीन वैली में ड्यूटी पर तैनात था। उसने रात में मेन गेट को बंद कर रखा था। इसी दौरान, आरोपी सचिन सिंह राजपूत अपनी कार सीजी 07 बीजे 8877 से रात 1 बजे आया। उसे देखकर गार्ड ने रोकने की कोशिश की। ये बात सचिन सिंह को काफी बुरी लगी। वह चिल्लाते हुए गार्ड को धमकी दी थी। इसके बाद सचिन सिंह अपने दोस्तों के साथ कार में नशे की हालत में देर रात 1:45 बजे फिर वापस पहुंचा। इस दौरान कार को जुनवानी की ओर से चौहान ग्रीन वैली के अंदर की ओर आते देख गार्ड ने गेट को खोलने की कोशिश की, लेकिन सचिन ने गेट खुलने का इंतजार नहीं किया। उसी रफ्तार में गेट को तोड़ते हुए गार्ड को चपेट में ले लिया और अंदर चला गया। ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में साफदिखाई दे रहा है कि लोहे का गेट गनपत साहू की छाती में लगा। इस ठोकर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत काफी गंभीर थी।

पुलिस के साथ भी की थी हुज्जत

घटलना के बाद जब पुलिस देर रात सचिन सिंह को गिरफ्तार करने पहुंची वह कमरे में दोस्तों के साथ पार्टी कर रहा था। सचिन सिंह के साथ वहां अभिषेक मलागार, आदित्य मिश्रा, राहुल तिवारी, राहुल साहू, रियांशु ठाकुर, मेहुल गुप्ता के साथ दो लड़कियां श्रृष्टि शर्मा और मनीषा सिंह भी शराब खोरी कर रही थी। पुलिस ने सचिन को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस से ही हुज्जतबाजी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने सचिन सिंह और उसके सभी साथियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद सभी का कॉलोनी में जुलूस भी निकाला गया।

राजधानी के सूने मकानों पर शातिर चोरों ने सोने, चांदी सहित नगदी पर किया हाथ साफ, दो हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर नकबजन आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शातिर चोरों सोने, चांदी और नगदी रकम लेकर फरार हो गए थे। आरोपी के कब्जे से दो लाख 30 रुपये का सामान जब्त किया गया है।

प्रार्थी आशीष ठाकुर ने थाना डीडी नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह गणेश गार्डन के पास रहता है। वह चार दिसंबर को दोपहर साढ़े तीन बजे अपने घर में ताला लगाकर अस्पताल गया था, वहां से वापस घर के मेन गेट का ताला खोलकर अंदर गया। घर के मुख्य दरवाजे को देखा, तो दरवाजे की कुण्डी टूटी हुई थी। घर के अंदर कमरे में जाकर देखा तो कमरे की अलमारी खुली हुई थी।

लकडी की अलमारी का सारा सामान कमरे में बिखरा हुआ था। अलमारी को चेक किया, तो अलमारी के दराज में रखा सोने और चांदी के जेवरात समेत नगदी रकम पर कोई हाथ साफ कर लिया था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के सूने मकान के घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोडकर अंदर प्रवेश कर आलमारी का ताला तोड़कर आलमारी में रखें उक्त मशरूका को चोरी कर ले गया। चोरी की घटना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके साथ ही अज्ञात आरोपी की पतासाजी शुरू। टीम के सदस्यों ने घटना स्थल और उसके आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों का अवलोकन किया।

इस दौरान पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि डीडी नगर निवासी वीर अभिमन्यु देवदास उर्फ मन्ना जो चोरी और नकबजनी के कई प्रकरणों में पहले जेल जा चुका है। एक लड़के साथ घटना स्थल पास संदिग्ध अवस्था में देखा गया था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा वीर अभिमन्यु देवदास उर्फमन्ना की पतासाजी कर उसे पकड़ा गया। घटना के संबंध में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर वीर अभिमन्यु देवदास उर्फ मन्ना द्वारा अपने साथी तिलक सागर सहित एक अन्य के साथ मिलकर चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना बताया गया। जिस पर तिलक सागर की भी पतासाजी कर उसे पकड़ा गया। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बीजापुर में नक्सलियों ने ग्रामीण की कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

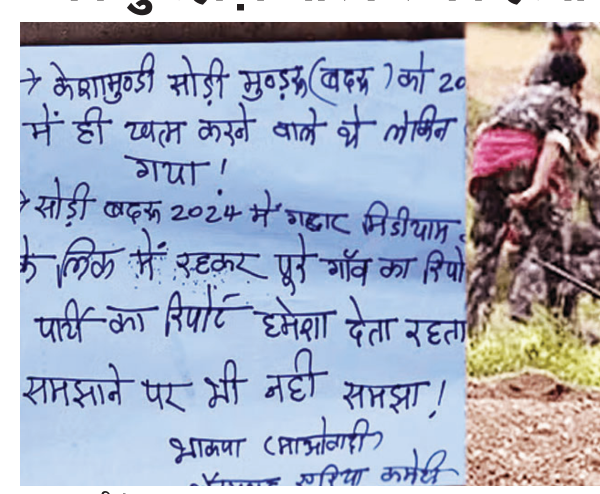

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। नक्सलियों ने बीती रात केशामुण्डी गांव में एक ग्रामीण की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। नक्सलियों ने शव के पास एक पर्चा फेंका है। जिसमें ग्रामीण को गद्दार घोषित किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम केशामुंडी निवासी ग्रामीण भदरू सोढ़ी पिता हिड़मा उम्र 41 की बीती रात नक्सलियों ने घर में घुस कर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। घटना स्थल से भैरमगढ़ एरिया कमेटी का पर्चा बरामद हुआ है। जिसमें नक्सलियों ने गद्दार का साथ देने, सलवा जुडूम में काम करने और पार्टी की सूचना देने की बात लिखी गई है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है।

शराब पीने पैसा नहीं देने पर युवक को पीटा, नाबालिग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध का ग्राफबढ़ते जा रहा है। आए दिन लुट, चोरी और मामूली बात पर मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला शहर से निकलकर सामने आया है। दरअसल, शराब पीने के लिए नाबालिग बदमाश एक युवक से पैसों की मांग करने लगा, युवक ने माना किया, तो उसके साथ जमकर मारपीट कर दी।

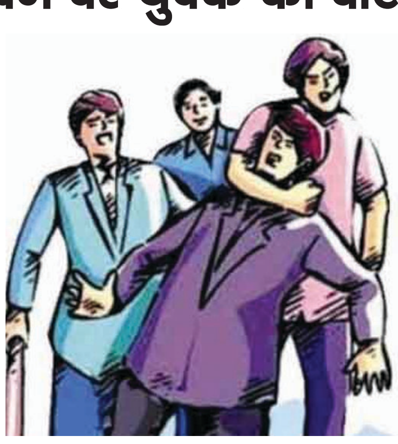

अवैध रूप से शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने पर युवक के मना करने पर लड़ाई झगड़ा कर मारपीट कर चोट पहुंचाने वाला नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूरा मामला गोलबाजार थाना क्षेत्र का है। प्रार्थी कांतालाल ध्रुव ने थाना गोलबाजार उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 25 जनवरी को पुराना बस स्टैंड के पास आरोपी नाबालिग ने प्रार्थी से शराब पीने के लिए अवैध रूप से पैसे मांग करने लगा। इस पर प्रार्थी के मना करने पर अश्लील गली-गलौज कर जान से मारने को धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी। इससे प्रार्थी की शरीर में काफी चोट आया। घटना के बाद प्रार्थी की सूचना पर पुलिस ने अपराध पंजीबध किए। इसके बाद पुलिस नाबालिग की तलाश में जुट गई। इस दौरान पुलिस ने आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि इस बदमाश के खिलाफ थाना गोलबाजार में लड़ाई झगड़ा मारपीट अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट के तहत पहले से दो मामला दर्ज है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोलबाजार निरीक्षक अर्चना धुरंधर, उपनिरीक्षक पुणे सिंह जुर्री, आरक्षक 1484 विकास सिंह, आर. 496 संजय शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सब्जी व्यापारी पर हमला, युवा नेता सहित 15 पर केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई में एबीवीपी पदाधिकारी मिहिर जायसवाल ने कुछ लड़कों के साथ मिलकर बीच बाजार में एक सब्जी व्यापारी की लात-घूंसों और डंडों से पिटाई कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अब मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। अमित कुमार सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि, वो आकाशगंगा में थोक सब्जी बेचने का व्यवसाय करता है। उसका राजनांदगांव के एक व्यापारी सौरभ जायसवाल से पिछले 6 महीने से व्यापार चल रहा था। सौरभ पर 2.87 लाख की उधारी है। जब वो 18 जनवरी 2025 की रात और उधार लेने के लिए आया, तो अमित ने उसे उधार देने से मना कर दिया। अमित ने सौरभ से कहा कि, पहले वो पुरानी उधारी दे, उसके बाद वो और सब्जी उसे देगा। जिस पर दोनों के बीच बहस हो गई। इस पर सौरभ ने अमित देख लेने की धमकी देकर ऑफिस से चला गया। फिर 10-15 मिनट बाद सौरभ 15-20 लड़कों को लेकर पहुंचा। इस दौरान उसके साथ एबीवीपी का पदाधिकारी मिहिर जायसवाल भी था।

मंदिर में पूजा कर रहे युवक को मुस्लिम युवक ने दी धमकी

बिलासपुर। बिलासपुर में एक ऑटो चालक ने मंदिर में पहुंच कर हनुमान चालीसा बंद करने की धमकी दी है। पूरी घटना सोमवार की सुबह 7 की है जिसका की सीसीटीवी फुटेज भी अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक हनुमान मंदिर में रोज की तरह हनुमान चालीसा स्पीकर पर बज रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अचानक एक ऑटो चालक इशहाक खान मंदिर पहुंचा और वहां खड़े व्यक्ति को धमकी देने लगा कि 'इतना हिंदू बनने का शौक है, तो अयोध्या जाओज यहां हिंदू-हिंदू मत करो, नहीं तो मंदिर से चोंगा निकाल कर फेक दूंगा'। इतना ही नहीं ऑटो चालक ने मंदिर में गाली गलौज और अपशब्दों का भी प्रयोग करते हुए ये धमकी दी है। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के वायरल होने के बाद अब हिंदू संगठन से जुड़े लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. 2025 / वा / को / वाई. टी. एस. के. / I / रा दिनॉक 23-01-2025

1. कार्य का नाम: यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाईटीएसके) का आवंटन :- रायपुर मण्डल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों / स्थानों पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटों को जारी करने के लिए यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाईटीएसके) की नियुक्ति।

2. आवेदन पत्र निविदा बाक्स में डालने की तिथि एवं समय दिनांक: 27-02-2025 को 15.00 बजे तक। **3. आवेदन खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 27-02-2025 को 15.30 बजे। **4. आवेदन पत्र का मूल्य :** रु 1180/- (रु एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) प्रति निविदा प्रपत्र। **5. ठेके की अवधि :**03 (तीन) वर्ष हेतू।

आवेदक वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, डी. आर. एम. ऑफिस कॉम्प्लेक्स, वाल्टेयर रेलवे क्रासिंग गेट के पास आर. व्ही. एच. रेलवे कालोनी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में इस उद्देश्य के लिए रखे गए आवेदन बॉक्स में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस. ई.सी. रेलवे रायपुर को संबोधित करते हुए अपने मुहरबंद कव्हर को दिनॉक 27-02-2025 को दोपहर 15.00 बजे तक डाल सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए उपरोक्त कार्य के लिए योग्यता मानदंड विभिन्न, स्टेशनों / स्थानों और कार्य का पूर्ण विवरण कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस.ई. सी. रेलवे रायपुर के कार्यालय में संपर्क कर सकते है एवं हमारी वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in. पर उपलब्ध पूर्ण विवरण हासिल कर सकते है। आवेदन पत्र/ दस्तावेज हमारी वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
द.पू.म.रे./ रायपुर

PR/Sr.DCM/AAA/224

South East Central Railway | @secrail

यात्रियों से भरा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, 11 यात्री हुए घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

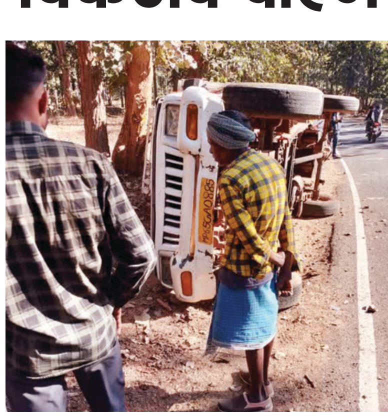

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा बारहों के कार्यक्रम से लौट रहा यात्रियों से भरा मालवाहक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। पिकअप पलटने से वाहन में सवार लगभग 11 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस और 112 वहां से पेंड्रा के जिला अस्पताल लाया गया है। सभी घायल अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम से बिलासपुर जिले के खोंगसरा गए हुए थे। बारहों के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस लौटने के दौरान गौरेला थाना क्षेत्र के पीपरखूंटी गांव के पास पिकअप नियंत्रित होकर पलटा। घटना के बाद पिकअप वाहन चालक मौके से फरार हो गया। यात्रियों ने चालक पर शराब पीकर वाहन चलाने का आरोप लगाया है।

घायलों के अनुसार, सुबह सभी ग्रामीण पिकअप में सवार होकर बारहों के बाद वापस अपने गांव राजेंद्रग्राम के बघार जाने के लिए निकले थे और खोंगसरा से पेंड्रा आने के पहाड़ी मार्ग पर पीपरखूंटी के पास तेज गति से चल रहा पिकअप वाहन का चालक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना की वजह से सभी पिकअप सवार सड़क पर आ गिरे और चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना 112 और 108 आपातकालीन सेवा को दी। जिसके बाद आपातकालीन सेवा 112,108 ने सभी को मौके पर जाकर घायलों को पेंड्रा के जिला अस्पताल लाया। जिसमें से चार लोगों की हालत गंभीर है। बाकी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

गंभीर रूप से घायलों में कुछ घायलों की पसली टूटी है, जबकि कुछ घायलों के पैर की हड्डियां भी टूट गई है। प्राथमिक उपचार देने के बाद गंभीर रूप से घायल चार लोगों को बिलासपुर से रेफर करने की तैयारी जिला अस्पताल से की जा रही है। इस दौरान जिला अस्पताल में घायलों के लिए बेड की कमी देखने को मिली।

शिवरीनारायण क्षेत्र के नहर में लाश मिली, हत्या की आशंका

जांजगीर। जांजगिर चांपा के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में नहर में एक युवक की तैरती हुई लाश मिली है। स्थानीय लोगों से मिली सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को नहर से निकाल कर उसकी शिनाख्त की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान जय कुमार गोंड, वार्ड क्र। 19, राहौद निवासी के रूप में हुई है। वह बीते दिन से अपने घर से निकलने के बाद से लापता था। अब नहर में उसकी लाश नहर में मिली है। फिलहाल उसकी मौत हत्या है या आत्महत्या, पुलिस इसकी जांच में जुट गई है।

छत्तीसगढ़ में गणतंत्र दिवस पर शान से लहराया तिरंगा, सरगुजा में सीएम साय ने फहराया ध्वज

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर आम जनता के नाम संदेश का वाचन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साय ने गणतंत्र दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत गौरवशाली है। आज हम देश के गणतंत्र का उत्सव मना रहे हैं। इसके पीछे उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का बलिदान है, जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता दिलाई, उन संविधान निर्माताओं का योगदान है, जिन्होंने इस संविधान के माध्यम से भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। उन विभूतियों का योगदान है, जो संविधान की रक्षा के लिए हमेशा डटे रहे तथा संविधान के मूल्यों पर चलकर अंत्योदय का कल्याण करते रहे। नक्सलवाद से लड़ते हुए देश की एकता और अखण्डता के लिए अनेक जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, ताकि हम सुरक्षित रह सकें और समाज में शांति स्थापित हो सके। इन जवानों की शहादत को मैं शत-शत् नमन करता हूं।

भारत की आजादी की यात्रा के साथ ही दुनिया के अनेक देशों ने भी अपनी स्वतंत्रता की यात्रा प्रारंभ की, लेकिन इनमें से कई देशों में शासन व्यवस्था पटरी से उतर गई और वहां की जनता आज अराजकता का सामना करने मजबूर है। गणतांत्रिक परंपराओं की अपनी ऐतिहासिक जड़ों और अपने श्रेष्ठ संविधान के बूते लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत अविचल खड़ा ही नहीं है अपितु निरंतर तरक्की के नये शिखरों को छू रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान एक पवित्र दस्तावेज है। यह वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से प्रेरित है। इसे एक ऐसे राष्ट्र के नागरिकों ने तैयार किया, जिनकी भावनाओं के मूल में विश्व बंधुत्व और मानव कल्याण की सोच है। हमारी आजादी की लड़ाई की सोच हमारे संविधान में पूरी तरह से झलकती है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में जब हमारे छत्तीसगढ़ से संविधान निर्मात्री समिति के सदस्य संविधान तैयार कर रहे थे, तब निश्चय ही उनके सामने बाबा गुरु घासीदास जी के समतामूलक संदेश, शहीद वीरनारायण सिंह जी के संघर्ष की गाथा और पंडित सुंदरलाल शर्मा जी का छूआछूत विरोधी संघर्ष जैसे आदर्श रहे होंगे। इन सभी के विचारों को बाबा साहेब ने अंतिम ड्राफ्ट के रूप में बहुत सुंदरता से पिरोया था। इस गणतंत्र की धरोहर को सुरक्षित रखने और सहेजने-संवारने की जिम्मेदारी हमारी और भावी पीढ़ी के हाथों में है। हमारा गणतंत्र हमें सत्यमेव जयते की सीख देता है। मुंडकोपनिषद का यह सूत्र वाक्य हमें बताता है कि अंधेरा कितना भी घना क्यों न हो, हमें उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। अंततः विजय सत्य की ही होती है। हमारे गणतंत्र की इस भावना की विजय हमने गंभीर नक्सलग्रस्त इलाकों में देखी है।

इन इलाकों में माओवाद ने अपनी हिंसक विचारधारा से न केवल आम आदमी के जीवन को नरक बना दिया था अपितु भारत के गणतंत्र को चुनौती देने के लिए गनतंत्र खड़े करने की योजना बनाकर काम कर रहे थे। हमारे सुरक्षा बलों का इनसे लगातार संघर्ष चल रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नई रणनीति बनाकर हमने माओवाद के कैंसर को नष्ट करने का काम किया है। इस कैंसर को नष्ट करने के लिए जरूरी था कि इसकी जड़ों पर प्रहार किया जाए। हमारे जवानों ने माओवादियों के सबसे सुरक्षित पनाहगाहों में हमला किया। इसके नतीजे बहुत अच्छे रहे। एक साल के भीतर ही हमने माओवादी कैडर के 260 से अधिक आतंकियों को मार गिराया। अंधेरी सुरंग खुल गई, जो रोशनी फूटी है उससे बस्तर में विकास का उजाला फैला है। जब केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी पिछले महीने छत्तीसगढ़ आये तो बस्तर की इसी धरती में ग्राम गुंडम की एक बुजुर्ग माँ उनके पास आई, माता जी ने उन्हें वनोपजों की टोकरी भेंट की और कहा कि माओवाद को पूरी तरह से नष्ट कर दीजिए। जब सरकार का इरादा, जवानों का हौसला और जनता का संकल्प मिल जाता है, तो कोई भी हिंसक विचारधारा नहीं टिक सकती। बस्तर में माओवाद अब अंतिम सांसे गिन रहा है। शीघ्र ही बस्तर पूरी तरह से नक्सल आतंक से मुक्त हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंक से मुक्ति के साथ ही बस्तर में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में विकास की राह भी खुल गई है। इसका माध्यम हमारी सरकार द्वारा चलाई जा रही नियद नेल्ला नार योजना बनी है। अरसे बाद स्कूलों में घंटियां गूंजी, पानी-बिजली का पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित हुआ। आधार कार्ड बने और आयुष्मान कार्ड भी बन गये। बस्तर अब उमंग से भरा हुआ है। हमने यहां बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया। पूरे बस्तर से 1 लाख 65 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें नक्सल हिंसा से प्रभावित परिजन भी थे। आत्मसमर्पित नक्सली भी थे और नक्सल हिंसा में अपने अंग गंवा चुके दिव्यांगजन भी थे। खेलों के इस महाकुंभ में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था, हम सबके लिए यह बहुत भावुक क्षण था, बस्तर ओलंपिक नये बस्तर की पहचान बन गया।

वन एवं वृक्ष आवरण में देश में सर्वाधिक वृद्धि

अपनी प्राकृतिक संपदा को न केवल हम सहेजे हुए हैं अपितु उसका निरंतर संवर्धन भी कर रहे हैं। वन पारिस्थितिकी सेवा को हमने ग्रीन जीडीपी के साथ जोड़ने की पहल की है। अभी हाल ही में भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट आई है, इसमें बताया गया है कि छत्तीसगढ़ में 684 वर्ग किलोमीटर संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण की वृद्धि हुई है जो देश में सबसे ज्यादा रही है।

एयर कनेक्टिविटी में इजाफा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश की जनजातीय संस्कृति भी विलक्षण है। यहां पर्यटन की अधोसंरचना उपलब्ध कराने हमने होम-स्टे की सुविधा देने वाले उद्यमियों को विशेष अनुदान देने का निर्णय लिया है। कुछ महीनों पहले अंबिकापुर में माँ महामाया एयरपोर्ट का शुभारंभ किया गया। जगदलपुर और अंबिकापुर एयरपोर्ट अब विमानन मानचित्र में आ गये हैं। एयर कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध होने से पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां आकर्षित होंगे। रायपुर-बिलासपुर-अंबिकापुर विमान सेवा आरंभ होने से स्थानीय पर्यटकों को भी काफी सुविधा मिल रही है। पर्यटन अधोसंरचना का सीधा लाभ, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के रूप में होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने एक साल पूरे कर लिये हैं। इस अवधि में हमने अपने अधिकांश वायदों को पूरा कर दिया है। कैबिनेट की पहली ही बैठक में हमने 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। इन पर तेजी से काम हो रहा है। अपना घर जीवन का सबसे बड़ा सपना होता है। राज्य के लिए नये वित्तीय वर्ष हेतु तीन लाख अतिरिक्त पीएम आवास की स्वीकृति भी मिली है, इसके लिए मार्च तक सर्वे हो जाएगा। अब उन लोगों को भी पीएम आवास मिल सकेगा, जिसके पास टू व्हीलर है।

पीएससी पर लौटा युवाओं का भरोसा

उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। पीएससी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार की जांच का कार्य हमने सीबीआई को सौंपा है और सीबीआई इस मामले में पुख्ता कार्रवाई कर रही है। हमने पीएससी परीक्षा में पारदर्शिता लाने इसे यूपीएससी की तर्ज पर आयोजित करने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा उठाये गये कदमों से युवाओं का भरोसा पीएससी की परीक्षा में लौट आया है। हमने यूपीएससी की परीक्षाओं की तैयारी के लिए दिल्ली में ट्राइबल यूथ हास्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी है। हम रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 अन्य नगरीय निकायों में ऐसी ही लाइब्रेरी बनवा रहे हैं। शासकीय सेवा के 9 हजार से अधिक पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

हर कदम में किसानों के साथ

किसान परिवार से आने वाले लोगों ने खेती का वो वक्त भी देखा है जब कड़ी मेहनत से धान उपजाने के बाद मंडियों में किसान भाई धान लेकर जाते थे, तो औने-पौने में धान बेचकर आना पड़ता था। बहुत मुश्किल से परिवार चलता था। खरीफ के बाद उनके पास दूसरे राज्यों में जाकर मजदूरी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था। श्रद्धेय अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया, तो धान खरीदी की व्यवस्था भी आरंभ हुई। धान के कटोरे में कोई भी भूखा न सोये, इसके लिए मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना भी आरंभ हुई। यह काम इतने व्यवस्थित तरीके से हुआ कि छत्तीसगढ़ देश में खाद्य सुरक्षा का माडल राज्य बन गया। मुझे याद आता है कि छत्तीसगढ़ बनने के बाद शुरूआती दौर में धान खरीदी लगभग 4.63 लाख मीट्रिक टन के आसपास हुई। पिछली बार यह आंकड़ा 145 लाख मीट्रिक टन को छू गया। यह इसलिए हुआ कि हमारी सरकार किसान भाइयों को धान का सबसे अच्छा मूल्य दे रही है। हमने किसान भाइयों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ में धान खरीदा। किसानों से किये वायदे के अनुरूप हमने 13 लाख किसानों को दो साल का बकाया बोनस भी दिया। इन सबके चलते पिछले सत्र में हमने किसान भाइयों के खाते में 49 हजार करोड़ रुपए अंतरित किये। लगभग ढाई माह से राज्य में तेजी से धान खरीदी चल रही है। किसानों के खाते में हम लगातार समर्थन मूल्य की राशि दे रहे हैं। प्रति क्विंटल अंतर की राशि 800 रुपए हमारी सरकार के द्वारा आदान सहायता के रूप में एकमुश्त फरवरी माह में किसान भाइयों के खाते में भेजने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए हमने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ भी किया है। इसके अंतर्गत हम 5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषकों को 10 हजार रुपए सालाना प्रदान कर रहे हैं। यह शुभ संकल्पों और अच्छी नीयत का प्रतिफल है। छत्तीसगढ़ के किसान आज बेहद खुशहाल हैं। पलायन रुका है और किसान, खेती में निवेश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें खेती से अच्छी आय मिल रही है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसानों को फसल का उचित मूल्य दिलाने के साथ ही खेती को हाइटेक करने का कार्य भी कर रही है। अब खेतों में कीटनाशकों का छिड़काव ड्रोन दीदी के हाथों हो रहा है। घंटों का काम ड्रोन दीदी का ड्रोन मिनटों में कर देता है। आपने इधर के वर्षों में देखा होगा कि जलवायु परिवर्तन तेजी से हो रहा है। कभी मानसून विलंब से आता है, तो कभी असमय बारिश हो जाती है। इस बड़े संकट से निपटने के लिए पुख्ता तैयारी भी हमने की है। हमने ऐसे बीज तैयार किये हैं, जो क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने में सक्षम हैं। एफपीओ के माध्यम से किसानों के लिए नए उद्यम के रास्ते हमने खोल दिये हैं।

छत्तीसगढ़ में श्वेत क्रांति की खुली राह

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हमेशा कहते हैं, कि हमें किसानों की आय दोगुनी करनी है, तो पशुपालन को बढ़ावा देना होगा। हम सबने सहकारिता में अमूल का प्रयोग देखा है। भारत ने एनडीडीबी अर्थात नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से अमूल के रूप में श्वेत क्रांति की। छत्तीसगढ़ में भी श्वेत क्रांति की राह हमने खोल दी है। बीते महीने हमने एनडीडीबी के साथ एमओयू किया है। इस एमओयू के माध्यम से छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ से जुड़ी समितियों को तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभी प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के लिए 621 सहकारी समितियां काम कर रही हैं। अब 3200 नई सहकारी समितियां बनेंगी। इस एमओयू के पश्चात, सवा लाख से अधिक किसान दूध उत्पादक समितियों से तो जुड़ेंगे ही, इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमारे बच्चों के भोजन में, दूध के रूप में प्रोटीन अधिक मात्रा में शामिल होगा। हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के आदर्शों के अनुरूप नागरिकों की आजीविका बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई उद्योग नीति से प्रदेश में बना निवेश का बेहतर वातावरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा- हमारी धरती रत्नगर्भा है। खनिज संपदा के मामले में छत्तीसगढ़ अतुलनीय है। कोयले और लोहे के उत्पादन में हम देश में दूसरे स्थान पर हैं। देश के बाक्साइट भंडार का 20 फीसदी हमारे यहां है। सारी दुनिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अपना रही है और भारत भी इसमें पीछे नहीं है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के लिए लीथियम की जरूरत होती है और इसके भंडार हमारे कोरबा, सुकमा और बस्तर जिले में है। इन खनिज संसाधनों का दोहन राज्य के आर्थिक विकास के लिए हो, इस जरूरत को पूरा करने हमारी सरकार ने ऐतिहासिक काम किया है। आज छत्तीसगढ़ में कहीं भी चले जाइये, शानदार चौड़ी सड़कें, फ्लाईओवर से आपका स्वागत होगा। रांची, हैदराबाद और विशाखापट्नम जैसे शहरों से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले एक्सप्रेस-वे का काम पूरा हो जाएगा तो यह कनेक्टिविटी अभूतपूर्व स्तर तक पहुंच जाएगी। केंद्र सरकार ने हमारे राज्य में सड़क अधोसंरचना को बेहतर करने के लिए 20 हजार करोड़ रुपए के कार्यों की घोषणा भी की है। बिजली उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ सरप्लस स्टेट है। ये सारी बातें छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को बेहद आकर्षक बनाती हैं। इतने बेहतर वातावरण में यदि निवेश के इच्छुक उद्यमियों को अनुदान सहित अनेक सुविधाएं मिले, तो उनके लिए यह सोने पर सुहागा है। हमारी नई उद्योग नीति ने यही कार्य किया है। इज आफ डूइंग बिजनेस अंतर्गत जरूरी सुधार किये गये हैं। सिंगल विंडो 2.0 से एनओसी की दिक्कत बिल्कुल दूर हो गई है। हमारा फोकस यह है, कि स्थानीय लोगों को अधिकतम संख्या में रोजगार मिल सके। एक हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों के लिए हम विशेष अनुदान दे रहे हैं।

पांच सालों में ढाई लाख करोड़ रूपए के निवेश का लक्ष्य

नई औद्योगिक नीति में हमने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि ऐसे उद्योगों को प्रोत्साहन दें, जिनके लिए छत्तीसगढ़ की विशिष्टताओं के अनुरूप आगे बढ़ने की भरपूर संभावनाएं हों। क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने के लिए मोदी जी ने वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली टेक्नालाजी अर्थात ग्रीन उद्यमों के लिए बड़ी संभावनाएं बनी हैं। नई उद्योग नीति में हमने इसके लिए निवेश प्रोत्साहन पैकेज रखा है। छत्तीसगढ़ में उद्यमी अब ग्रीन स्टील की ओर फोकस कर रहे हैं। नई उद्योग नीति से इसके लिए बेहतर वातावरण बन रहा है। इस बात का अनुमान है, कि अगले पांच वर्षों में प्रदेश में ढाई लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा और इसके चलते पांच लाख नये रोजगार सृजित होंगे। हम अटल नगर, नवा रायपुर को आईटी हब के रूप में तैयार कर रहे हैं और तेजी से आईटी कंपनियां यहां निवेश के लिए सामने आ रही हैं। यहां पर हम 14 एकड़ में एआई डाटा सेंटर भी बना रहे हैं, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल सकेगा। राज्य के युवाओं को वित्तीय बाजारों के लिए प्रशिक्षित करने और इसके माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने शासन द्वारा नेशनल स्टाक एक्सचेंज के साथ छात्र स्किलिंग प्रोग्राम के लिए एमओयू करने का निर्णय लिया गया है। यह प्रशिक्षण हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी और कालेज के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जाएगा।

पर्यटन को मिला बढ़ावा

नई उद्योग नीति में हमने छत्तीसगढ़ की पर्यटन संभावनाओं का भी पूरा ध्यान रखा है। हमारे यहां एशिया का नियाग्रा कहा जाने वाला चित्रकोट जलप्रपात है। कांगेर घाटी में कोटमसर जैसी विलक्षण गुफाएं हैं। यहां धुड़मारास को संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन ने बेस्ट टूरिज्म विलेज के रूप में चुना है। सरगुजा में रामगढ़ की पहाड़ियां हैं, जहां के विलक्षण प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत होकर महाकवि कालिदास के मन में अपने महान खंडकाव्य मेघदूतं को लिखने का विचार आया। जशपुर में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर महादेव हैं। देश के पर्यटन नक्शे में गुरु घासीदास तमोरपिंगला टाइगर रिजर्व भी आ गया है।

सशक्त महिलाएं सशक्त छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ महतारी को संवारने में, बड़ी भूमिका हमारी मातृशक्ति की है। वे हर दिन कड़ी मेहनत कर, विकसित छत्तीसगढ़ की नींव रख रही हैं। उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करना हमारा संकल्प है। इसके लिए हमने सरकार गठन के तीन महीने के भीतर ही महतारी वंदन योजना का क्रियान्वयन आरंभ कर दिया। करीब 70 लाख माताओं-बहनों को अब तक हम इस योजना की ग्यारह किश्त दे चुके हैं। हर माह की पहली तारीख को हम महतारी वंदन योजना के रूप में माताओं-बहनों के लिए खुशियों का रिचार्ज कर देते हैं। यह राशि उनके बजट को व्यवस्थित करने में, अपने सपनों को पूरा करने में मदद करती है। यह महिलाओं की अपनी निधि है, वे इसे अपनी इच्छा से खर्च कर रही हैं। कोई बहन इसे बच्चों की पढ़ाई में लगा रही है, कोई निवेश कर रही है। कोई मां अपनी हवाई यात्रा का सपना पूरा कर रही है। सारंगढ़ के ग्राम दानसरा की माताएं-बहनें अयोध्या धाम में श्रीरामलला का मंदिर बनने से अभिभूत थीं। वे श्रीराम का मंदिर अपने गांव में बनाना चाहती थीं। सभी महिलाएं एकजुट हुईं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि और चंदा इकट्ठा करके प्रभु श्रीराम का मंदिर बनवा रही हैं। हम महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट फूड का काम सौंप रहे हैं। पहले चरण में पांच जिलों से इस काम की शुरूआत करेंगे।

प्रदेश में नई शिक्षा प्रणाली लागू

प्राचीन काल में हमारा देश विश्वगुरु था। इसका कारण, हमारी गुरुकुल शिक्षा प्रणाली थी। यह प्रणाली ज्ञान-विज्ञान के साथ ही सांस्कृतिक मूल्यों की भी शिक्षा विद्यार्थियों को देती थी। अंग्रेज जब भारत आये, तो उन्होंने महसूस किया कि भारत में राज करने के लिए बहुत जरूरी है, कि भारतीयों में हीनता की भावना भर दी जाए। उन्होंने प्राचीन पद्धति समाप्त कर, मैकाले द्वारा लाई गई अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली लागू की। इसके चलते हमारे मनीषियों द्वारा लिखे श्रेष्ठ ग्रंथों की स्मृति भी जनमानस में धुंधली होती गई। मोदी जी ने आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ ही हमारी सांस्कृतिक उपलब्धियों और गौरवशाली परंपरा को शामिल करने वाली नई शिक्षा प्रणाली हमें दी है। छत्तीसगढ़ में हमने इसे लागू किया है। हम 18 स्थानीय भाषाओं में बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। 341 पीएमश्री विद्यालय हमने आरंभ किये हैं। हम बच्चों को एआई और रोबोटिक्स की शिक्षा भी दे रहे हैं। हम यह मानते हैं, कि बच्चों की शिक्षा को बेहतर दिशा देने में जितनी जिम्मेदारी शिक्षकों की है, उतनी ही अभिभावकों की भी है। इसके लिए हमने पैरेण्ट्स-टीचर मीटिंग का एजेंडा भी व्यवस्थित किया है। अपने जन्मदिन को स्कूलों में बच्चों के साथ न्योता भोज के रूप में भी मनाने की परंपरा हमने आरंभ की है। पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के चलते बच्चों का शैक्षणिक स्तर गिरा था। इसे दुरुस्त करने, हमने पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं पुनः आरंभ करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश के 77 लाख 20 हजार परिवारों को मिली स्वास्थ्य सुरक्षा

हमारी भारतीय परंपरा में आशीर्वाद देने पर लंबी आयु की कामना करते हुए आयुष्मान भवः कहा जाता है। लोगों की दीर्घायु और उनके अच्छे स्वास्थ्य से जुड़े सरोकार, हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना अंतर्गत प्रदेश के 77 लाख 20 हजार परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई है। जो समाज अपने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करता है, वही समाज फलता-फूलता भी है। मोदी जी ने आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मिलित किया है। इन्हें अब पांच लाख रुपए तक के इलाज का लाभ मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ बनेगा मेडिकल टूरिज्म का केंद्र

हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ को मेडिकल हब बनाना है, ताकि न केवल हमारे सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में छत्तीसगढ़ के नागरिकों का इलाज हो सके अपितु छत्तीसगढ़ मेडिकल टूरिज्म के भी महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित हो। इसके लिए हमने अटल नगर नवा रायपुर में 200 एकड़ भूमि चिन्हांकित की है। यहां मेडिसिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत 5 हजार बेड वाला अत्याधुनिक अस्पताल बनेगा। अटल नगर नवा रायपुर में हम 141 एकड़ भूमि पर फार्मास्युटिकल पार्क भी स्थापित कर रहे हैं। इससे अटल नगर नवा रायपुर, मध्य भारत का फार्मास्युटिकल हब के रूप में उभरेगा। बिलासपुर में 200 करोड़ रुपए की लागत से सिम्स के विस्तार का कार्य शुरू कर दिया गया है। राजधानी रायपुर के अंबेडकर हास्पिटल में भी 700 बिस्तर अस्पताल के विस्तार के लिए हमने 231 करोड़ रुपए का टेंडर जारी कर दिया है। इसके पूरे होने के साथ ही अंबेडकर हास्पिटल में 2 हजार बेड की सुविधा हो जाएगी। प्रदेश में मेडिकल शिक्षा को विकसित करने के लिए चार नये मेडिकल कालेज जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, मनेंद्रगढ़ और गीदम में भवनों के लिए 1020 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950